दैनिक
गाज़ियाबाद से प्रकाशित
RNI NO: UPHIN2023/88802
भारत का बदलता शासन
हर सच की पहचान...
वर्ष-02, अंक-217, गाजियाबाद, शुक्रवार, 23.05.2025 पृष्ठ-08, मूल्य-3/-
8527848454

सूर्योदय 05 : 26 | सूर्यास्त 07 : 10
आज का तापमान °C 37/28
वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) - 104

आज का विचार

" हर दिन को एक नई उम्मीद के साथ जीना चाहिए। कठिनाइयाँ जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन उनसे हार नहीं माननी चाहिए। सफलता के लिए मेहनत और प्रयास करना जरूरी है. "

follow X - @Bharatkbs

शेयर मार्केट

SENSEX 80,951.99
NIFTY 24,609.70

सर्राफा बाजार

सोना प्रति 10 ग्राम 98105/-
चांदी प्रति किलो ग्राम 1,01,000/-

भयंकर तूफान में निगम के कार्य की शहरवासियों ने करी प्रशंसा
Page- 3
follow X - @Bharatkbs

गम्भीर सिंह का गाज़ियाबाद को भावुक विदाई सन्देश
'लव यू गाज़ियाबाद'

"मेरा विश्वास रहा कि जो भी व्यक्ति मेरे कार्यालय में आया, वह समाधान और सम्मान लेकर ही लौटा।" - गम्भीर सिंह

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

अपर जिलाधिकारी (नगर), गाज़ियाबाद, गम्भीर सिंह ने अपने स्थानांतरण के अवसर पर गाज़ियाबाद की जनता के लिए एक हृदयस्पर्शी और भावुक विदाई संदेश जारी किया है। शासनादेश के अनुसार, अब वे अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), आजमगढ़ के रूप में नई जिम्मेदारी संभालेंगे। अपने संदेश में उन्होंने गाज़ियाबाद के प्रति अपने गहरे लगाव और कृतज्ञता को व्यक्त करते हुए कहा, लव यू गाज़ियाबाद, थैंक यू गाज़ियाबाद, जो उनके मन की गहराइयों से निकली भावनाओं का प्रतीक है।

गाज़ियाबाद के अपर जिलाधिकारी (नगर), गम्भीर सिंह ने अपने स्थानांतरण के अवसर पर शहर की जनता के लिए एक भावुक विदाई संदेश जारी किया है। अब वे अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), आजमगढ़ के रूप में नई जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं। अपने संदेश में उन्होंने गाज़ियाबाद के प्रति अपने गहरे प्रेम और कृतज्ञता को व्यक्त करते हुए कहा, लव यू गाज़ियाबाद, थैंक यू गाज़ियाबाद। यह केवल शब्द नहीं, बल्कि उनकी आत्मा की आवाज है, जो गाज़ियाबाद के लोगों और इसकी मिट्टी से उनके गहरे जुड़ाव को दशार्ती है।

प्रशासनिक यात्रा का सुनहरा अध्याय

गम्भीर सिंह ने अपनी प्रशासनिक यात्रा की शुरूआत मुरादाबाद में उपजिलाधिकारी के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने अमरोहा, बलिया और अन्य जिलों में अपनी सेवाएं दीं। लगभग साढ़े तीन साल पहले उन्हें गाज़ियाबाद में सिटी मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया, और बाद में उनकी मेहनत और समर्पण के चलते अपर जिलाधिकारी (नगर) के पद पर पदोन्नति हुई।

गाज़ियाबादः कर्मस्थली से परिवार तक

गम्भीर सिंह के लिए गाज़ियाबाद केवल एक कार्यस्थल नहीं, बल्कि उनका दूसरा घर बन गया। उन्होंने यहाँ IMT कॉलेज से एमबीए की पढ़ाई पूरी की और शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं, शिक्षकों और स्कूलों के लिए मार्गदर्शन का कार्य किया। नया विचार नई ऊर्जा फाउंडेशन के माध्यम से उन्होंने सैकड़ों जरूरतमंद बच्चों की गोपनीय सहायता की, जिससे उनके चेहरों पर मुस्कान और आत्मविश्वास लौटा।

कृतज्ञता और आभार

अपने संदेश में श्री सिंह ने गाज़ियाबाद के सभी नागरिकों, पूर्व जिलाधिकारियों राकेश कुमार सिंह और इंद्र विक्रम सिंह, वर्तमान जिलाधिकारी दीपक मीणा, उपाध्यक्ष गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण अतुल वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अभिनय गोपाल, नगर आयुक्त आदित्य विक्रम सिंह मलिक, सहकर्मियों, मीडिया, किसानों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों, छात्रों, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आप सभी ने मुझे न केवल एक अधिकारी, बल्कि भाई, मित्र और सहयोगी मानकर जो प्रेम दिया, वह मेरे जीवन की अमूल्य निधि है।

एक नई शुरूआत, पर गाज़ियाबाद हमेशा दिल में

श्री सिंह ने कहा कि भले ही वे व्यक्तिगत रूप से सभी से विदाई न ले सकें, लेकिन गाज़ियाबाद की माटी, इसकी मुस्कुराहटें और लोगों की भावनाएं उनके दिल में हमेशा रहेंगी। अंत में, उन्होंने एक बार फिर दोहराया, लव यू गाज़ियाबाद, थैंक यू गाज़ियाबाद, और सभी को सादर नमन, साधुवाद और मंगलकामनाएं दीं।

गाज़ियाबाद की जनता भी उनके योगदान को याद रखेगी और उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दे रही है।

8 अपराधियों को किया जिला बदर

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

गाजियाबाद। गाजियाबाद कमिश्नरेट के विभिन्न थाना क्षेत्र में लूट छिनैती,बलवा, हत्या का प्रयास,जालसाजी धोखाधड़ी, महिलाओं बच्चों से संबंधित अपराध अवैध हथियार चोरी जान से मारने की धमकी देकर क्षेत्र में व्याप्त करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र के आठ अपराधियों को 6 महीने के लिए गुंडा घोषित कर जिला बदर करने के आदेश दिए हैं। इनमें विक्रम सिंह पुत्र नरपत सिंह निवासी बुद्ध विहार कॉलोनी थाना कौशांबी, वाजिद पुत्र फईमुद्दीन निवासी ट-ीएफ 2 प्लॉट नंबर ए 4 शिवानंम ग्रुप हाउसिंग शालीमार गार्डन थाना शालीमार गार्डन, नदीम पुत्र इलियास निवासी वार्ड नंबर 3 मिर्दो वाली मस्जिद डासना थाना वेब सिटी, सौरव राणा पुत्र भगवत सिंह राणा निवासी राहुल विहार प्रथम बहरामपुर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक, अनुज चौधरी पुत्र अजेय चौधरी निवासी गली नंबर 2 बुद्धविहार बहरामपुर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक, समीर पुत्र जहूर मियां निवासी जी 301 गणेशपुरी थाना शालीमार गार्डन ,वसीम कबड्डी पुत्र मोइनुद्दीन निवासी मकान नंबर 154 हरमुख पुरी थाना मोदीनगर और अंकित मावी पुत्र रमेश मावी निवासी ग्राम सिकरानी थाना लोनी को 6 महीने के लिए जिला बदर घोषित किया गया। जबकि एक अभियुक्त को स्थानीय थाने में हाजिरी देने के आदेश पारित किए गए हैं।

पवन गोयल की पहल
पत्रकारों के हित में विशेष सेक्टर पत्रकारपुरम विकसित करने का रखा प्रस्ताव

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

गाजियाबाद। पत्रकारों की आवासीय समस्याओं को दूर करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने पत्रकारपुरम योजना को मंजूरी देने की दिशा में कदम बढ़ाया है। मंगलवार को मेरठ मंडलायुक्त की अध्यक्षता में हुई जीडीए बोर्ड की बैठक में बोर्ड सदस्य पवन गोयल ने पत्रकारों के हित में हरनंदीपुरम योजना में एक विशेष सेक्टर पत्रकारपुरम के नाम से विकसित करने का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव को बोर्ड ने विचार के लिए स्वीकार कर लिया, जिससे पत्रकारों में खुशी की लहर दौड़ गई है। पवन गोयल ने बैठक में पत्रकारों की लंबे समय से चली आ रही आवासीय समस्याओं पर प्रकाश डाला। गाजियाबाद में दशकों से पत्रकारिता कर रहे कई पत्रकार किराए के मकानों या छोटे-छोटे आवासों में रहने को मजबूर हैं। उनकी इस पहल से न केवल पत्रकारों को किफायती आवास मिलने की उम्मीद जगी है, बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि पत्रकार बिरादरी सम्मानजनक जीवन जी सके।

पत्रकारपुरम योजना के तहत पत्रकारों को आवास या फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत होगी। गाजियाबाद के पत्रकारों ने इस प्रस्ताव को ऐतिहासिक करार देते हुए पवन गोयल के प्रयासों की जमकर तारीफ की है। पत्रकारों का कहना है कि यह पहल न केवल उनके लिए राहतकारी होगी, बल्कि गाजियाबाद में पत्रकारिता को और सशक्त बनाएगी।

पवन गोयल ने कहा, पत्रकार समाज का चौथा स्तंभ हैं, और उनकी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पत्रकारपुरम योजना उनके लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक आवास सुनिश्चित करेगी। इस प्रस्ताव को गाजियाबाद के पत्रकारों ने भारत का बदलता शासन के तहत स्वागत किया है और जीडीए बोर्ड के प्रति आभार व्यक्त किया है।

यह कदम पत्रकारों के लिए नई उम्मीद की किरण लेकर आया है, और जल्द ही पत्रकारपुरम योजना के अमल में आने की उम्मीद की जा रही है।

NCR में कोरोना की दस्तक
सिक्योरिटी गार्ड मिला संक्रमित

फरीदाबाद : जिले में ढाई साल बाद मिले कोरोना संक्रमित मरीज 28 साल के सिक्योरिटी गार्ड की हालत अब बेहतर है। जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से वेरियेंट का पता लगाने के लिए जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए सैंपल भेजा जा चुका है। अब इसकी रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। वहीं जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से संक्रमित युवक का पता चलने पर उसके परिवार के तीन अन्य सदस्यों का भी कोविड टेस्ट कराया गया। लेकिन उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

कोविड टेस्ट के बाद संक्रमित सिक्योरिटी गार्ड ने अपने आप को 12 से 14 दिन के लिए क्वारंटाइन कर लिया। जिसके बाद युवक की हालत स्थिर है। स्वास्थ्य विभाग ने उसके परिजनों को कोविड प्रोटोकोल का पूरी तरह से पालन करने के निर्देश दिए हैं। सेहतपुर एरिया का रहने वाला 28 वर्षीय युवक दिल्ली के एक मॉल में बतौर सिक्योरिटी गार्ड कार्यरत है। 2 मई को चिकित्सकीय परामर्श के लिए दिल्ली सफदरजंग अस्पताल गया था। वहां पर खासी-जुकाम होने के चलते डॉक्टर ने युवक का कोविड टेस्ट किया गया। जिसके बाद युवक की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। कोरोना का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है।

नोएडा पुलिस कमिश्नरेट में फेरबदल

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

नोएडा : गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से एक बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में यह निर्णय प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि जिले में बेहतर समन्वय, सुरक्षा प्रबंधन और अपराध नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। इस फेरबदल के तहत कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दायित्वों में बदलाव किया गया है।

डॉ. प्रवीन रंजन सिंह अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) को नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें कानून-व्यवस्था का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। श्रीमती मनीषा सिंह अपर पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा एवं साइबर सेल) की जिम्मेदारी दी गई है। उनके नेतृत्व में महिला सुरक्षा से संबंधित योजनाओं और साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण की उम्मीद है। अजीत कुमार सिंह सहायक पुलिस आयुक्त द्वितीय, नोएडा के पद पर नियुक्त किए गए हैं। विवेक रंजन राय सहायक पुलिस आयुक्त द्वितीय, नोएडा का अतिरिक्त प्रभार उनसे हटा लिया गया है। हेमंत उपाध्याय सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम, सेंट्रल नोएडा का कार्यभार सौंपा गया है। राजीव कुमार गुप्ता सहायक पुलिस आयुक्त (मुख्यालय/आंकिक एवं साइबर द्वितीय) के रूप में नियुक्त किए गए हैं।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा, इस प्रशासनिक फेरबदल का मुख्य उद्देश्य जिले में कानून व्यवस्था को और मजबूत करना, अपराधों पर अंकुश लगाना और जनता को बेहतर सुरक्षा सेवाएं प्रदान करना है। यह कदम विभागीय कार्यक्षमता को बढ़ाने और नागरिकों के बीच विश्वास को और सुदृढ़ करने की दिशा में उठाया गया है। इस फेरबदल से गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में कार्यप्रणाली में सुधार, बेहतर समन्वय और त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है। विशेष रूप से महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में नए नेतृत्व के तहत और प्रभावी कदम उठाए जाने की संभावना है।

एक लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया लेखपाल

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

गाजियाबादः जनपद के मोदीनगर में एक लेखपाल को रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया। यह कार्रवाई गुरुवार को की गई, जब लेखपाल सरित कुमार, जो मोदीनगर तहसील में तैनात हैं, एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़े गए। बताया जा रहा है कि सरित कुमार ने जमीन के दाखिल-खारिज के नाम पर पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। इस मामले में शिकायतकर्ता भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव त्योड़ी-13 बिस्वा निवासी मनोज कुमार हैं, जिनसे 10 बीघा जमीन के दाखिल-खारिज के लिए यह राशि मांगी गई थी।

एंटी करप्शन टीम को मिली शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई। मनोज कुमार ने बताया कि लेखपाल सरित कुमार ने उनसे जमीन के दाखिल-खारिज के लिए पांच लाख रुपये की मांग की थी। इस मांग को पूरा करने के लिए मनोज कुमार ने पहले एक लाख रुपये एडवांस देने की बात तय की। गुरुवार को जब मनोज कुमार एक लाख रुपये लेकर लेखपाल के पास पहुंचे, तभी एंटी करप्शन टीम ने पहले से तैयार योजना के तहत लेखपाल को रंगे हाथों पकड़ लिया।

घटना के बाद एंटी करप्शन की टीम ने सरित कुमार को हिरासत में लेकर मोदीनगर थाने पहुंचाया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। इस मामले में पुलिस और एंटी करप्शन विभाग के अधिकारी गहन जांच कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या लेखपाल पहले भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल रहा है।

यह घटना क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के रूप में देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में रिश्वतखोरी एक आम समस्या बन चुकी है, जिसके कारण आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मनोज कुमार ने बताया कि उनकी जमीन का दाखिल-खारिज लंबे समय से लटका हुआ था, और लेखपाल द्वारा बार-बार रिश्वत की मांग की जा रही थी। इस वजह से उन्होंने एंटी करप्शन टीम से संपर्क किया, जिसके बाद यह कार्रवाई संभव हो सकी।

एंटी करप्शन टीम के अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की शिकायतें मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है, तो वे बिना डरे इसकी शिकायत करें। इस मामले में लेखपाल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि क्या इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति या अधिकारी भी शामिल है।

मोदीनगर और आसपास के क्षेत्रों में इस घटना ने लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग इस कार्रवाई की सराहना कर रहे हैं, लेकिन साथ ही मांग कर रहे हैं कि भ्रष्टाचार को पूरी तरह खत्म करने के लिए और सख्त कदम उठाए जाएं। इस घटना ने एक बार फिर सरकारी तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की जरूरत को उजागर किया है।

अंडर ट्रेनिंग दरोगा रिश्वत लेते गिरफ्तार

मेरठ : थाना रोहटा क्षेत्र की शोभापुर चौकी में तैनात अंडर ट्रेनिंग दरोगा सनी सिंह को विजिलेंस ने डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। सूत्रों के अनुसार, सनी सिंह ने एक दहेज उत्पीड़न के मामले में अंतिम रिपोर्ट (एफआर) लगाने के नाम पर यह राशि मांगी थी। शिकायतकर्ता की सूचना पर विजिलेंस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दरोगा को पकड़ लिया। विजिलेंस की टीम ने शिकायत मिलने पर सावधानीपूर्वक योजना बनाई। गुप्त सूचना के आधार पर, टीम ने दरोगा को रिश्वत लेते समय पकड़ने के लिए जाल बिछाया। जैसे ही सनी सिंह ने रिश्वत की रकम ली, विजिलेंस ने उन्हें धर दबोचा। इसके बाद, उन्हें पूछताछ के लिए थाना कंकरखेड़ा ले जाया गया। विजिलेंस ने दरोगा सनी सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। थाना कंकरखेड़ा में रिपोर्ट दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह मामला दहेज उत्पीड़न से जुड़ा है, जिसमें दरोगा ने शिकायत को दबाने के लिए पैसे की मांग की थी। यह घटना मेरठ पुलिस प्रशासन के लिए एक बड़ा झटका है। अंडर ट्रेनिंग दरोगा का इस तरह रिश्वत लेते पकड़ा जाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है। विजिलेंस की इस कार्रवाई ने एक बार फिर भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती की जरूरत को उजागर किया है। विजिलेंस की टीम मामले की गहराई से जांच कर रही है। दरोगा सनी सिंह से पूछताछ जारी है, और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या इस मामले में और भी लोग शामिल हैं। पुलिस प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज करने के निर्देश दिए हैं।

खास खबरें

सलमान के घर घुसा अंजान शख्स... पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु की

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में 20 मई की शाम अंजान शख्स के घुसने की कोशिश की है। पुलिस ने उस संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना 20 मई की शाम 7 बजकर 15 मिनट की है। यह शख्स अवैध रूप से सलमान के घर में घुसा। जब इसकी सूचना पुलिस को मिली, उन्होंने उस शख्स को हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति का नाम जितेंद्र कुमार सिंह हैं, वहां छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। अब पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है कि वह सलमान के घर क्यों गया? उसकी मंशा क्या थी? या फिर क्या वह कोई फैन है या इसके पीछे कोई और वजह है। सलमान के फैंस और लोग घटना से परेशान हैं, क्योंकि सलमान का घर पहले भी सुरक्षा के लिहाज से चर्चा में रहा है। 2023 में लॉरेंस गैंग से धमकी मिलने के बाद ही सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्हें महाराष्ट्र सरकार की ओर से वाई प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिली है।

महाराष्ट्र में कोरोना मरीजों की संख्या 100 के पार, मुंबई में 95 मरीज दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। एक बार फिर कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन ने स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव बढ़ा दिया है। क्योंकि देशभर में अब तक 257 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। महाराष्ट्र में कोरोना मरीजों की संख्या 100 का आंकड़ा पार कर चुकी है। परिणामस्वरूप देश भर में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं एक बार फिर सक्रिय हो गई हैं। मुंबई में एक 4 महीने के बच्चे का कोविड-19 परीक्षण पॉजिटिव आया है। के.जे. सोमैया अस्पताल में बच्चे का इलाज चल रहा है। सेवन हिल्स अस्पताल में सोलह मरीजों का इलाज चल रहा है। स्वास्थ विभाग के अनुसार कोल्हापुर जिले में भी तीन लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं। इनमें से एक मरीज को छुट्टी दे दी गई है जबकि दो लोगों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उधर पुणे जिले में 40 वर्षीय महिला भी कोरोना से संक्रमित हुई है। इस बार कोविड का नया वैरिएंट जेएन 1 सामने आया है। एशियाई देशों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्पष्ट किया है कि अभी तक इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं है कि यह वायरस पुराने ओमिक्रॉन वेरिएंट से अधिक गंभीर बीमारी का कारण बनता है। इसलिए, फिलहाल यह हम पर निर्भर है कि हम उचित सावधानी बरतें और स्वास्थ्य अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें।

देहरादून पुलिस ने अवैध रुप से रह रहे 10 बांग्लादेशी को हिरासत में लिया

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून में पिछले चार दिन में पुलिस ने 10 बांग्लादेशी को हिरासत में लिया है। बीते मंगलवार को पटेल नगर क्षेत्र से पकड़े गए पांच बांग्लादेशियों को पुलिस ने उन्हें डिपोर्ट करा दिया है। वहीं अन्य क्षेत्रों में भी सत्यापन अभियान जारी है। इनके यहां पहुंचने और बस्तियों में रहने की भी जांच की जा रही है। इस बीच आशंका जताई जा रही है कि दून में बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। इसके अलावा इन्हें दून तक पहुंचाने और स्थानीय दस्तावेज बनाने वालों का गिरोह भी सक्रिय होने का अंदेशा है। दून पुलिस की ओर से सभी थाना क्षेत्रों में सघन जांच जारी है। बीते मंगलवार को देहरादून पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में पांच बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया था। जिन्हें बुधवार को वापस उनके देश भेज दिया। देहरादून पुलिस व एसटीएफ पटेल नगर क्षेत्र से चार महिला व एक पुरुष को हिरासत में लिया है। पूछताछ और जांच में पांचों व्यक्तियों के बांग्लादेशी नागरिक होने के साक्ष्य प्राप्त होने पर पांचों बांग्लादेशी नागरिकों को केंद्र सरकार के निर्देशों के चलते डिपोर्ट किया गया है। इससे पहले बीते 18 मई को क्लेमेनटाउन क्षेत्र में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम कर रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। आरोपितों में एक महिला व चार पुरुष हैं, जो घुसपैठ करके भारत आए थे। एक बांग्लादेशी नागरिक ने तो अपना फर्जी आधार कार्ड भी बनवा लिया था और वर्षों से भारत में रहकर कई ठेकेदारों के साथ काम कर रहा था। पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि कई बांग्लादेशी नागरिकों ने भारत के कई राज्यों में शादी कर ली है और यहीं निवास करने लगे हैं।

सात माह में 25 शादियां करने वाली लुटेरी दुल्हन को राजस्थान पुलिस ने कैसे पकड़ा भोपाल से

महाराजगंज (एजेंसी)। यूपी के महराजगंज जिले के एक गांव में ठगी का अलग तरह का मामला आया है। गांव की एक युवती पति के साथ मिलकर गिरोह बनाकर शादी के एप के माध्यम से लोगों से ठगी कर रही थी। युवती लोगों को झांसे में लेकर सात माह में 25 शादियां कर चुकी है। लूटेरी दुल्हन को राजस्थान की पुलिस ने मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। हालांकि, महराजगंज पुलिस को इसकी जानकारी अभी नहीं है, लेकिन यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। कोल्हुई क्षेत्र के एक गांव निवासी शख्स की शादी नौतनवा क्षेत्र की एक युवती से वर्ष 2018 में हुई। पहले ही पहचान होने के कारण दोनों ने प्रेम विवाह किया था। युवती ने घर से भागकर शादी की और कुछ दिन बाद दोनों गांव में आकर रहने लगे। एक साल बाद ससुराल वालों ने युवती के आचरण से परेशान होकर बेटे से युवती को अलग कर दिया। इसके बाद दंपति घर के पास ही खाली पड़े एक मकान में रहने लगा। लोगों के अनुसार 2021 में दोनों बिना किसी को बताए अपनी छह साल की बेटी को छोड़कर और बेटे को साथ लेकर कहीं चले गए। बताया जा रहा हैं कि घर छोड़ने के बाद दोनों ने भोपाल को अपना ठिकाना बनाया। वहां युवती ने एक गिरोह बनाया। इसमें छह लोग बताए जा रहे हैं। ये लोग शादियों के लिए ऑनलाइन एप चलाते थे और अविवाहित लड़कों को अपने जाल में फंसाकर शादी करते थे। दो-चार दिन बीतने के बाद ये लोग उनके घर के जेवरात-नकदी आदि लेकर फरार हो जाते थे। बताया जा रहा हैं कि युवती ने सात महीने में 25 शादियां की थीं। इसके बाद राजस्थान पुलिस के शिकंजे में आई। बीती 3 मई को राजस्थान के मान टाउन में रहने वाले विष्णु शर्मा ने थाने में शिकायत की कि खंडवा निवासी उसके जानने वाले ने मनपसंद लड़की से शादी करवाने का झांसा दिया।

यूनुस को सीएम सरमा का जबाव, मौलानाओं ने ऐसा नक्शा बनवाया, हमारे पंडित बनवा सकते

बांग्लादेशी कट्टरपंथियों ने नक्शा शेयर कर असम के कुछ हिस्सों को बांग्लादेश में दिखाया

गुवाहाटी (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्वोत्तर क्षेत्र पर हमेशा नजर बनी रहती है। लेकिन प्रयास चाहे घुसपैठ का हो या विवाद खड़ा करने का, बांग्लादेश को हमेशा मुँह की खानी पड़ती है। इसी कड़ी में बांग्लादेशी कट्टरपंथियों ने एक नक्शा डिजाइन कर शेयर किया है, इसमें असम के कुछ हिस्सों को बांग्लादेश में दिखाया गया है। इस मुद्दे पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मोहम्मद यूनुस आड़े हाथ लेकर बांग्लादेश को उसकी औकात दिखा दी है।

सरमा ने बांग्लादेश के कुछ व्यक्तियों द्वारा प्रकाशित उस कथित मानचित्र को खारिज किया है जिसमें पूर्वोत्तर राज्य के कई हिस्से पड़ोसी देश (बांग्लादेश) के भूभाग हैं। उन्होंने कहा है कि बांग्लादेश एक ''छोटा'' देश है और ''इतना ध्यान'' दिए जाने का वह हकदार नहीं है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ताकत के लिहाज से भारत की बराबरी नहीं कर सकता। सरमा ने कहा, ''लोग ऐसा नक्शा बना सकते हैं और प्रकाशित कर सकते हैं। हम भी बांग्लादेश को असम का हिस्सा दिखाने वाला नक्शा बना सकते हैं। यहां तक कि भारत और अमेरिका को भी एक नक्शे पर एक साथ रखा जा सकता है। सिर्फ नक्शा बनाने से यह असलियत नहीं बन जाएगा।''

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि अगर बांग्लादेश के मौलानाओं ने असम को अपने क्षेत्र का हिस्सा बताकर ऐसा नक्शा बनाया है, तब भारत के 'पुरोहित, पंडित' भी भारत में उनके चटगांव बंदरगाह को शामिल करते हुए नक्शा बना सकते हैं। उन्होंने कहा, ''सरकार ऐसा (ऐसा नक्शा प्रकाशित करना) नहीं कर सकती, लेकिन लोग ऐसा कर सकते हैं। सरमा ने दावा किया कि यदि बांग्लादेश पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में 'चिकन नेक' गलियारे पर हमला करता है, तब भारत उसके दो संकरे भूभाग पर जवाबी हमला करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''उनके (बांग्लादेश के) पास दो 'चिकन नेक' हैं, भारत के पास एक है। उन्होंने कहा कि मेघालय से चटगांव बंदरगाह के पास उनका 'चिकन नेक हमारे से बहुत छोटा है और एक अंगूठी फेंककर भी बंद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम वहाँ पहुँचने से बस एक कॉल की दूरी पर हैं। सरमा ने हालांकि बांग्लादेश के दूसरे संकरे भूभाग के बारे में कुछ जिक्र नहीं किया, जिसे उन्होंने पड़ोसी देश का 'चिकन नेक' बताया। इसके अलावा, भारत के वैश्विक कद के बारे में सरमा ने कहा, भारत की शक्ति पहले ही प्रदर्शित हो चुकी है। भारत के लिए कोई वास्तविक ख़तरा पैदा करने के लिए बांग्लादेश को कई बार पुनर्जन्म लेना होगा।

जब तक नहीं होता 6 आतंकवादियों का खात्मा, तब तक ऑपरेशन सिंदूर पूरा नहीं माना जाएगा : संजय राउत

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) के नेता और सांसद संजय राउत ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगार आतंकियों का सफाया नहीं होता है। उन्होंने कहा कि हमले के दोषियों को मौत की सजा मिलनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने मोदी सरकार को भी कठघरे में खड़ा कर कई सवाल पूछे। राउत ने पहलगाम में आतंकियों ने हमारी माताओं और बहनों का सिंदूर उजाड़ दिया। 26 निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या हुई। हमारे मन में एक सवाल बना हुआ है कि जिन आतंकियों ने हमले को अंजाम दिया, वे कहां गए। केंद्र सरकार ने उनके खिलाफ क्या किया?

राउत ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार ने पाकिस्तान को जवाब दिया। कुछ दिन दोनों देशों के बीच तनाव भी रहा। लेकिन, फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एंट्री से सीजफायर की घोषणा हुई। अब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सरकार सांसदों को विदेश यात्रा पर भेज रही है। अच्छी बात है, भेजा जाना चाहिए। लेकिन, एक माह पहलगाम आतंकी हमले को चुके हैं। एक सवाल का जवाब केंद्र को देना चाहिए कि वे आतंकवादी कहां गए, जिन्होंने पहलगाम में हमारे निर्दोष लोगों की हत्या की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक 6 आतंकवादियों का पूरी तरह से खात्मा नहीं हो जाता।

निक्की परिहार सिंह को राष्ट्रवादी करणी सेना परिवार का राष्ट्रीय नियुक्ति प्रभारी मनोनीत किया गया

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

जालोन, उत्तर प्रदेश: राष्ट्रवादी करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर टीटू सिंह राणा गौरव ने जिला जालोन, उत्तर प्रदेश निवासी निक्की परिहार सिंह को संगठन का राष्ट्रीय नियुक्ति प्रभारी मनोनीत किया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर टीटू सिंह राणा गौरव ने कहा, निक्की परिहार सिंह से अपेक्षा है कि वे समाज के हित में कार्य करते हुए संगठन के दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे। हमें विश्वास है कि वे क्षत्रिय समाज के कल्याण और राष्ट्र के मान-सम्मान को बनाए रखते हुए मयार्दा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। इस अवसर पर निक्की परिहार सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, राष्ट्रवादी करणी सेना परिवार ने मुझे जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसे मैं पूरी लगन और निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा। मैं अपने समाज और संगठन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करूंगा। यह नियुक्ति संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, और निक्की परिहार सिंह की नई भूमिका से क्षत्रिय समाज के उत्थान और संगठन की मजबूती में योगदान की उम्मीद की जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर: आतंकवाद पर भारत का सटीक और सशक्तवार

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

भारत सरकार और भारतीय सेना ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर आतंकवाद के खिलाफ अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित किया है। यह ऑपरेशन 7 मई 2025 को शुरू किया गया था, जो 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक शामिल थे। इस हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया था, और भारतीय सेना ने इसे आतंकवाद के खिलाफ एक निर्णायक कार्रवाई के रूप में लिया।

ऑपरेशन सिंदूर का नाम विशेष रूप से चुना गया, जो पहलगाम हमले में अपने पतियों को खोने वाली महिलाओं के प्रति श्रद्धांजलि को दशार्ता है। सिंदूर, जो हिंदू परंपरा में सुहागिन महिलाओं का प्रतीक है, इस ऑपरेशन के नाम के रूप में चुनकर भारत ने न केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया, बल्कि पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना और संकल्प को भी व्यक्त किया। यह ऑपरेशन भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के संयुक्त प्रयासों का परिणाम था, जिसमें उच्च परिशुद्धता वाले हथियारों जैसे स्कैल्प क्रूज मिसाइल, हैमर प्रेसिजन-गाइडेड बम और लॉइटरिंग म्यूनिशन्स का उपयोग किया गया।

इस ऑपरेशन के तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जो जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े थे। इन ठिकानों में मुरिदके का मार्कज तैबा, बहावलपुर का मार्कज सुभान अल्लाह और सियालकोट का मेहमूना जॉय फैसिलिटी शामिल थे। भारतीय सेना ने 25 मिनट की तीव्र कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद के नेता अब्दुल रऊफ अजहर जैसे प्रमुख आतंकी भी शामिल थे।

ऑपरेशन सिंदूर की खास बात यह थी कि यह पूरी तरह से आतंकी ढांचे पर केंद्रित था, और इसमें किसी भी नागरिक, आर्थिक या सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे एक ह्लचल रहा ऑपरेशनह्व बताया, जो भारत की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति को दशार्ता है। भारतीय सेना ने न केवल आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, बल्कि पाकिस्तान की हवाई रक्षा प्रणाली को भी बायपास कर अपनी तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन ने भारत की सैन्य ताकत और राष्ट्रीय संकल्प को विश्व मंच पर प्रदर्शित किया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय, जिसमें अमेरिका और अन्य देश शामिल हैं, ने भारत के इस कदम का समर्थन किया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान का आतंकवाद के साथ इतिहास भरोसेमंद नहीं है, और भारत अपनी सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाने से नहीं हिचकेगा।

ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। यह न केवल एक सैन्य कार्रवाई थी, बल्कि एक संदेश भी था कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में एकजुट और दृढ़ है। भारतीय सेना की इस वीरता और समर्पण के लिए देशवासियों को गर्व है। जय हिंद!

ठा. टीटू सिंह राणा
(राष्ट्रीय अध्यक्ष)
राष्ट्रवादी करणी सेना

हिंदू भी बनवा सकता है मस्जिद: सरकार

वक्फ संशोधन कानून मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र का तर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून 2025 की वैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कानून पर अंतरिम रोक लगाने का जोरदार विरोध किया है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट में कहा कि वक्फ कानून में 'प्रैक्टिसिंग मुस्लिम' होने की अनिवार्यता पूरी तरह वैध और शरिया के अनुरूप है।

अदालत के समक्ष तुषार मेहता ने दलील दी कि अगर कोई मुस्लिम पर्सनल लॉ का लाभ लेना चाहता है, तो उसे मुस्लिम होने का घोषणापत्र देना होता है। इसी प्रकार, वक्फ करने वाले को भी पांच साल से प्रैक्टिसिंग मुस्लिम होना चाहिए - यह कोई नया प्रावधान नहीं है, बल्कि शरिया सिद्धांतों के अनुरूप है।

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने यह भी स्पष्ट किया कि वक्फ तो मुसलमान ही करेगा, लेकिन यदि कोई हिंदू वक्फ संपत्ति या मस्जिद के निर्माण के लिए दान देना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है। इसके लिए ट्रस्ट के माध्यम से प्रक्रिया अपनाई जा सकती है। कानून में इस पर कोई रोक नहीं है।

उन्होंने कोर्ट को बताया कि 2013 के संशोधन में 'मुसलमान' शब्द हटाकर 'कोई भी व्यक्ति' कर दिया गया था, जिसे अब नए संशोधन में पुनः स्पष्ट किया गया है। इसके साथ ही, उन्होंने शिड्यूल एरिया में वक्फ संपत्ति की अनुमति न देने के प्रावधान को संविधान-सम्मत बताया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों को विशेष वैध कारणों से संरक्षित किया गया है, इसलिए वहां वक्फ न करने की शर्त उचित और आवश्यक है। यह ऐसा प्रावधान नहीं है कि इसके आधार पर पूरे कानून पर रोक लगा दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट की प्रधान पीठ - मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह - वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। याचिकाकर्ताओं की दलीलों के बाद अब केंद्र ने अपना पक्ष स्पष्ट किया है। अगली सुनवाई में याचिकाकर्ता केंद्र के जवाब पर प्रतिउत्तर देंगे।

सेना की वर्दी में आतंकी से बढ़ी नई टेंशन, घाटी से दिल्ली तक हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम अटैक के बाद एक नई टेंशन सामने आई है। टेंशन ने दिल्ली तक हलचल मचा दी है। दरअसल, घाटी में एक चिंताजनक ट्रेंड दिख रहा है। करीब तीन आतंकवादी घटनाओं में आतंकी भारतीय सुरक्षा बलों जैसी वर्दी में दिखाई दिए हैं। इससे आम लोगों और सुरक्षाकर्मियों दोनों के लिए खतरे की पहचान करना मुश्किल हो गया है। पहलगाम में आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के भारी हथियारों से लैस आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां चलाई थीं। अटैक के वक्त भी आतंकी इंडियन आर्मी के जवानों जैसी ही वर्दी में थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि पहलगाम हमले में शामिल कुछ आतंकवादी अभी भी दक्षिण कश्मीर में छिपे हो सकते हैं। बहरहाल, पहलगाम आतंकी हमले के हमलावरों की तलाश जारी है। इसी बीच त्राल में हाल ही में हुए एनकाउंटर में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकी मारे गए। मुठभेड़ के बाद इन आतंकियों के पास से जो कपड़े मिले हैं, वे एक नई चिंता पैदा कर रहे थे। दरअसल, ये तीनों आतंकी भारतीय सेना की वर्दी जैसे कपड़े पहने हुए थे। उनके कपड़ों खासकर उनकी जैकेट और उपकरणों की अब बारीकी से जांच की जा रही है। ऑपरेशन सिंदूर से भारत पाकिस्तान से निपट रहा था, तभी नगोटरा मिलिट्री स्टेशन पर तैनात एक सतर्क संतरी ने घुसपैठ की एक और कोशिश को नाकाम किया। घुसपैठिए ने संभवतः सैन्य वर्दी पहनी हुई थी और वह सुरक्षा घेरे को तोड़ने की कोशिश कर रहा था, लेकिन गोलियों की बौछार में उसे पीछे हटना पड़ा। आतंकवादी जिस तरह से सुरक्षाबलों की वर्दी जैसा पहनावा पहन रहे हैं, यह एक बड़ी सुरक्षा चिंता बन गया है। अधिकारियों को डर है कि इससे खतरनाक भ्रम पैदा हो सकता है। खासकर तेजी से चल रहे अभियानों के दौरान या फिर जब आम लोगों को दोस्त और दुश्मन के बीच फर्क करना हो। सेना के अधिकारियों का कहना है कि मामले पर दिल्ली में एक हाई लेवल बैठक में भी चर्चा की गई। बैठक में भारत के कई टॉप अफसर मौजूद थे।

पाकिस्तान को धुआं-धुआं करने में 3 हजार अग्निवीरों ने दिखाई थी अपनी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की तीनों सेनाओं की ताकत और उनकी वीरता जग जाहिर है। अब इसमें अग्निवीरों का भी नाम जुड़ गया है। करीब 3 हजार अग्निवीरों ने पाकिस्तान को धुआं-धुआं करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद जब भारत की तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाए तो भारतीय सेना के लगभग 3000 से अधिक अग्निवीरों ने भी अपनी बहादुरी दिखाई। इन्हें बीते दो वर्षों में अग्निपथ योजना के तहत भर्ती किया गया था। इन जांबाजों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायु रक्षा प्रणाली को संभालने में अपनी अहम भूमिका निभाई।

बता दें कि यह ऑपरेशन 7 से 10 मई के बीच पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के जवाब में भी चलाया गया था, जिसमें कई भारतीय सैन्य ठिकानों, एयरबेस और शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। सेना के सूत्रों के अनुसार, अग्निवीरों ने इस चुनौतीपूर्ण समय में अपने प्रशिक्षण का पूरा उपयोग किया और अपने साहस व निष्ठा से सेना के नियमित जवानों के बराबर प्रदर्शन किया। सेना के वायु रक्षा यूनिट्स से मिले फीडबैक के अनुसार, अग्निवीरों ने दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों को नाकाम कर भारत की रक्षा में अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन हमलों को विफल करने वाली कई एयर डिफेंस सिस्टम में से प्रत्येक में 150-200 अग्निवीर थे।

अग्निवीरों ने स्थानीय रूप से विकसित आकाशतीर वायु रक्षा नियंत्रण प्रणाली को संचालित करने में भी बड़ी भूमिका निभाई। यह प्रणाली दुश्मन के हमलों की त्वरित पहचान और जवाबी कार्रवाई में अहम साबित हुई। आकाशतीर को पिछले वर्ष ही सेना में शामिल किया गया था और यह भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली का मुख्य हिस्सा बन गया है। पश्चिमी मोर्चे पर तैनात एडी यूनिट्स में अग्निवीरों को चार प्रमुख क्षेत्रों में विशेषज्ञता दी गई थी गनर्स, फायर कंट्रोल ऑपरेटर्स, रेडियो ऑपरेटर्स और हैवी ड्यूटी व्हीकल ड्राइवर्स। उन्होंने एल-70, जेडयू-23-2बी, ओसा-एके, पिचोरा, टुंगुस्का जैसी बंदूकें और मिसाइल प्रणालियों को संभाला और अनेक राडार सिस्टम्स व संचार नेटवर्क का संचालन किया।

मुश्किलों में काम आए अग्निवीर

भारत-पाकिस्तान की इस लड़ाई ने अग्निपथ योजना की प्रासंगिकता को एक बार फिर साबित किया। इस योजना को 2022 में लागू किया गया था। इसके तहत सैनिकों को केवल 4 वर्षों के लिए भर्ती किया जाता है। उनमें से सिर्फ 25 प्रतिशत को ही आगे 15 साल के लिए नियमित सेवा में शामिल किया जाता है। हालांकि योजना को लेकर राजनीतिक बहस और विरोध भी हुआ, लेकिन इस सैन्य संघर्ष ने यह साबित किया है कि अग्निवीर भी युद्ध जैसी परिस्थिति में उतने ही सक्षम और प्रभावशाली हैं जितने कि पारंपरिक सैनिक।

भयंकर तूफान में निगम के कार्य की शहरवासियों ने करी प्रशंसा

आपदा के समय सभी विभागों ने टीम के रूप में किया काम : नगर आयुक्त

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

गाजियाबाद। बुधवार देर शाम आए आंधी, ओलावृष्टि, बारिश तथा भयंकर तूफान में गाजियाबाद का जनजीवन अस्त व्यस्त रहा। जिसमें व्यवस्थाओं को संभालने के लिए नगर निगम द्वारा रात्रि में ही अलर्ट रहकर कार्यवाही की गई तथा अगले दिन सुबह से ही नगर निगम के सभी विभाग शहर की बिगड़ी हुई व्यवस्था को बनाने में लग रहे। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ गिरने, बिजली के खभों के गिरने, लगे हुए सिगनेज तथा विज्ञापन पट के गिरने की सूचना निगम को मिली, जिसका तत्काल संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा रात्रि में ही टीम को सड़कों पर उतरने के लिए कहा गया तथा आपदा के समय सभी

विभाग संयुक्त टीम के रूप में कार्य करें निर्देश दिए गए। लगातार नगर आयुक्त खुद भी देर रात तक व्यवस्थाओं की रिपोर्ट लेते रहे, उसके बाद अगले दिन बिगड़ी हुई व्यवस्थाओं को संभालने के लिए निगम की टीम लगी रही।

अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार द्वारा बताया गया कि भयंकर तूफान में 100 से अधिक वृक्ष गिरे, जिससे आवागमन बाधित रहा। उद्यान विभाग टीम द्वारा सड़कों पर गिरे हुए वृक्षों को रात्रि में ही हटाकर आवागमन को सरल किया गया। निगम ने ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने में भी भूमिका निभाई। माली, हेड माली, सुपरवाइजर, उद्यान निरीक्षक,

उद्यान पर्यवेक्षक तथा उद्यान प्रभारी द्वारा रात्रि में तथा अगले दिन प्रातः भी शहर का भ्रमण करते हुए जायजा लिया गया। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी सफाई मित्रों की टीम के साथ मिलकर व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग किया गया। लगभग 22 से अधिक जेसीबी को इस्तेमाल करते हुए आवागमन सरल बनाने तथा सफाई व्यवस्था को बनाए रखने में कार्यवाही की गई। जलकल विभाग द्वारा ऐसे स्थान, जहां जल भराव हो गया था, वहां तत्काल प्रभाव से लगभग 60 पंप सेट लगाए गए, जल निकासी का कार्य किया गया। प्रकाश विभाग द्वारा भयंकर तूफान में गिरे हुए इलेक्ट्रिक पोल को हटाने का कार्य रात्रि में तथा प्रातः अगले दिन भी किया गया। लगभग शहर में 10 स्थान से इलेक्ट्रिक पोल गिरने की शिकायत प्राप्त हुई। जिस पर कार्यवाही की गई। निर्माण विभाग द्वारा सभी विभागों के साथ मिलकर टीम के रूप में कार्य किया गया। आपदा के इस समय नगर निगम के सभी विभाग संयुक्त रूप से कम कर रहे हैं। जिसकी प्रशंसा शहर वासियों द्वारा भी की गई है। समस्त पार्षदों के साथ-साथ आरडब्ल्यूए पदाधिकारी भी गाजियाबाद नगर निगम द्वारा आपदा के समय किए गए कार्यों की प्रशंसा कर रहे हैं।

उत्पीड़न की वजह से महिला ने नौकरी छोड़ी, कंपनी अधिकारी पर मुकदमा

कौशांबी। वैशाली स्थित एनाफिन एडवाईजर कंपनी के अधिकारी पंकज जायसवाल के खिलाफ कंपनी की पूर्व महिलाकर्मी ने उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

आरोप है कि कंपनी से नौकरी छोड़ने के करीब पांच महीने पहले तक उनका शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न किया गया। साथ ही जब उन्होंने अपने पीएफ व ग्रेच्युटी की रकम का भुगतान करने को कहा तब अधिकारी ने सार्वजनिक तौर पर उनके बारे में अफवाहें फैला दीं। यहां तक कि उनके नए कार्यस्थल पर पुलिस तक भेज दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली निवासी युवती ने दर्ज मुकदमे में पुलिस को बताया कि उन्होंने एनाफिन एडवाईजर कंपनी में 28 दिसंबर 2018 से 24 अप्रैल 2025 तक नौकरी की थी। बताया कि कंपनी अधिकारी पंकज जायसवाल आए दिन उनसे गाली-गलौज करते थे। उनका शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न किया जाता था। नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने अपने पीएफ, ईएसआई और ग्रेच्युटी के रुपयों की मांग की तब अधिकारी ने उनका नंबर और व्यक्तिगत जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया। इतना ही नहीं विरोध करने पर उन्हें धमकी भी दी। आरोप यह भी है कि आरोपी अधिकारी ने उनके नए कार्यस्थल पर पुलिस को भेजकर झूठी अफवाह फैलाई। उन्होंने डीसीपी से मामले की शिकायत की। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने बताया कि आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सामंत जाखड़ की धुआंधार बल्लेबाजी से एचसीए पायनियर फाइनल में

गाजियाबाद। बाडीकेयर कप नवम संदीप सूरी स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट के प्रथम सेमीफाइनल मुकाबले में गुरुवार को एचसीए पायनियर ने सुपर ओवर में गोल्डन हाकस को 10 रन से पराजित कर फाइनल मे प्रवेश किया। टास जीत कर एचसीए पायनियर ने वर्षा बाधित मैच मे पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। गोल्डन हाकस के बल्लेबाज केशव सिह 44 रन, अंकित कुमार 52 रन व कुणाल शर्मा 40 रन ने तेजी से रन बनाते हुए टीम का योग निर्धारित 25 ओवर में 222 रन पहुँचाया। लक्ष्य प्राप्त करने के लिए एचसीए पायनियर के बल्लेबाज अर्श कबीर 65 रन व सामंत जाखड के धुआंधार 82 रनों से स्कोर 222 पहुँचाया। परंतु 222 रन पर निर्धारित 25 ओवर समाप्ति के कारण मैच टाई हो गया। टाई मैच के सुपर ओवर मे पहले बल्लेबाजी करते हुए एचसीए पायनियर ने 20 रन 1 विकेट खो कर बनाए जिसमें जसमीत नैन ने अविजित 15 व अर्श कबीर ने 05 रन बनाए। जिसे प्राप्त करने के प्रयास में गोल्डन हाकस 10 रन बना पायी। फलस्वरूप एचसीए पायनियर ने 10 रन से मैच जीत लिया।

बारिश से मंडी में भीगे दस टन आलू-प्याज, व्यापारियों को खराब हो का डर

साहिबाबाद। नवीन फल सब्जी मंडी में बुधवार रात आई तेज बारिश और आंधी की वजह से साहिबाबाद सब्जी मंडी में करीब दस टन आलू और प्याज भीग गए। व्यापारियों का कहना है कि यदि शुक्रवार तक वह इन्हें नहीं बेच पाए तो उन्हें बड़ा नुकसान होगा। बुधवार को आंधी-बारिश के बाद बृहस्पतिवार को मंडी में सब्जियां और फल खरीदने के लिए कम संख्या में ग्राहक पहुंचे, इस वजह से व्यापारियों की चिंता और बढ़ गई है।

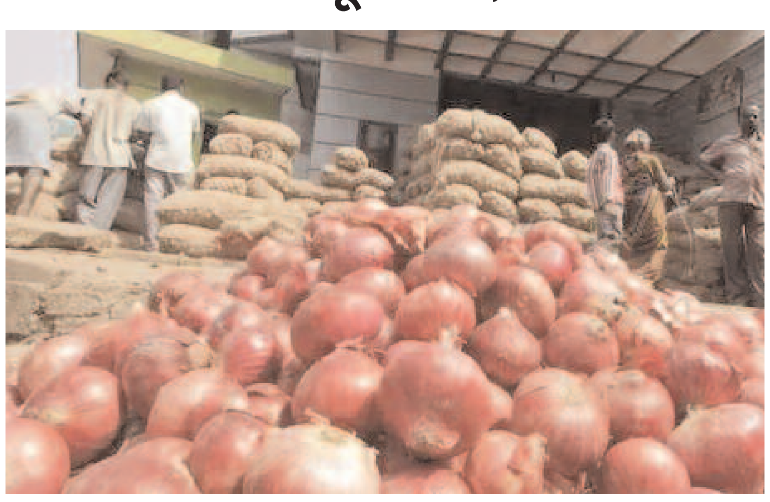

व्यापारी शादाब ने बताया कि बुधवार रात आई तेज बारिश और आंधी से सब्जी का भारी नुकसान झेलना पड़ा। मंडी में दुकान के बाहर रखी सब्जियां भीग गई। उन्होंने बताया सब्जी के ऊपर रखा तिरपाल भी उड़ गया। बृहस्पतिवार सुबह बहुत कम संख्या में खरीदार मंडी पहुंचे। इस कारण सब्जियों के खराब होने का डर बना हुआ है। बारिश में गिली हुई सब्जियों मों बृहस्पतिवार को आधे दामों में व्यापारियों ने बेचा। व्यापारी पूरन ने बताया कि बुधवार रात आई आंधी से बारिश में बाहर रखी करीब पांच टन प्याज और आलू भीग गए। अगर जल्दी नहीं बेचे गए तो खराब हो जाएंगे। इससे करीब चार पांच लाख रुपये का नुकसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सब्जी को सुरक्षित करने के लिए टिन शेड लगाया था, जिसे अतिक्रमण बताते हुए तोड़ दिया गया था। इसी कारण सब्जियों को तिरपाल से ढका गया था, लेकिन वह भी आंधी में उड़ गयी, इस कारण नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि इस बारिश से बहुत सब्जी, फल का नुकसान हुआ है। आने वाले से दाम बढ़ने का संभावना है।

पांच जून से हो सकती है पॉलिटेक्निक की प्रवेश परीक्षा

गाजियाबाद। यूपी पॉलिटेक्निक की प्रवेश परीक्षा पांच जून से हो सकती है। मुख्यालय की ओर से पंजीकरण की तारीख आगे बढ़ाने को लेकर कोई नया आदेश अभी तक जारी नहीं किया गया है। जल्द ही परीक्षा की तारीख भी घोषित हो सकती है। परीक्षा केंद्र बनाने को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। यूपी पॉलिटेक्निक में दाखिले के लिए पंजीकरण पहले 10 मई तक खोले गए थे। इसके बाद तारीख बढ़ाकर 20 मई कर दी गई। जबकि, पहले 20 मई से परीक्षा कराने की तैयारी थी, जिसको फिर आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। पॉलिटेक्निक की प्रवेश परीक्षा के लिए करीब दो हजार छात्रों ने पंजीकरण कराया है। कंप्यूटर आधारित परीक्षा के लिए जिले में पांच केंद्र इस बार भी बनाए जाएंगे। राजकीय पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य डॉ. जानबेग लोनी ने बताया कि परीक्षा की तारीख की औपचारिक घोषणा जल्द होगी। हो सकता है कि परीक्षा पांच से दस जून तक करा दी जाए। पंजीकरण की तारीख बढ़ाने पर कोई विचार मुख्यालय के स्तर से नहीं किया गया है।

सड़क हादसे में घायल आयकर भवन सुरक्षाकर्मी की मौत

कौशांबी। वैशाली के पास स्थित आयकर भवन के सुरक्षा गार्ड दिल्ली के रघुबरपुरा गांधीनगर निवासी विपिन साह की सड़क हादसे में घायल होने के बाद इलाज के दौरान 20 मई को मौत हो गई। हादसा 18 मई को हुआ था। उनकी पत्नी पंकिता देवी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंकिता देवी ने बताया कि उनके पति विपिन साह आयकर भवन में सुरक्षा गार्ड बतौर तैनात थे। 18

मई को वह नाइट ड्यूटी के लिए आयकर भवन जा रहे थे। सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। कार्यालय में ही मौजूद दूसरे कर्मचारी ने डायल 112 पर फोन करके पुलिस को बुलाया और जीटीबी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। बताया कि यहां इलाज के दौरान 20 मई को उनकी मौत हो गई। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही हैं, जल्द ही वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उपक्रीड़ाधिकारी ने बालिकाओं को दिया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

गाजियाबाद। राजकीय इंटर कॉलेज विजयनगर में जिला उपक्रीड़ाधिकारी कुमारी पूनम विश्नोई के द्वारा समर कैंप में सभी बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। पूनम विश्नोई द्वारा सभी उपस्थित छात्राओं को आत्मरक्षा करने के विभिन्न तरीके सिखाए गए। किस प्रकार से हम अपनी रक्षा कर सकते हैं, यदि हम मजबूत होंगे तो हम राष्ट्र की रक्षा कर सकते हैं। रानी लक्ष्मीबाई का भी परिचय खेल अधिकारी पूनम विश्नोई द्वारा सभी खिलाड़ियों व छात्राओं को दिया गया। उन्होंने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई 1857 की क्रांति की नायिका थीं। उन्हें विश्व में युद्ध की नायिका के रूप में जाना जाता है। खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी, बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी, बरछी ढाल कटारी उसकी यही एक सहेली थी। खेल अधिकारी के द्वारा सभी उपस्थित छात्राओं को रानी लक्ष्मीबाई के व्यक्तित्व का विराट परिचय कराया गया और किस प्रकार से रानी लक्ष्मीबाई अपनी सहेली तलवार, भाला, ढाल, बरछी को अपना मित्र मानती थीं, अनेक वृतांत के माध्यम से सभी उपस्थित छात्राओं को परिचय कराया गया। साथ ही ब्रह्मचर्य जीवन के पालन

के बारे में बताया गया। प्रेरक प्रसंग देकर सभी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया गया। खेल अधिकारी ने कहा कि खेलों से निर्माण चरित्र का, चरित्र से निर्माण राष्ट्र का। इसलिए सभी को कोई न कोई खेल खेलना चाहिए, खेलों से चहुँमुखी विकास होता है। उत्तर प्रदेश सरकार की खेल नीति के बारे में भी विस्तृत चर्चा खेल अधिकारी के द्वारा समस्त खिलाड़ियों को दी गई। राजकीय कॉलेज की प्रधानाचार्या द्वारा खेल अधिकारी पूनम विश्नोई का पुष्पगुच्छ और गमला देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर समस्त विद्यालय का प्रशिक्षण, विद्यालय स्टाफ मौजूद था। खिलाड़ी और छात्राओं द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर अत्यंत उत्साह का प्रदर्शन किया गया।

मुठभेड़ के दौरान शातिर गौकश गिरफ्तार

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

गाजियाबाद। नगर कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद शातिर गौकश को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के कब्जे से असलहा, नगदी व बाइक बरामद हुई है। एसीपी कोतवाली रीतेश त्रिपाठी ने बताया कि गुरुवार रात्रि नगर कोतवाल अनुराग शर्मा के नेतृत्व में नगर कोतवाली पुलिस टीम चैकिंग कर रही थी। पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान विजयनगर सिद्धार्थ विहार की तरफ से विजयनगर फ्लाई ऑवर ब्रिज के ऊपर से मेट्रो स्टेशन की तरफ बाइक से आ रहे एक व्यक्ति को रोकने का प्रयास किया तो वह अपनी मोटर साइकिल को फ्लाई ऑवर से ईको पार्क की तरफ कच्चे रास्ते पर भागने लगा। जहाँ रास्ता खराब होने के कारण

उसकी बाइक फिसल गई। पीछा कर रही पुलिस टीम को नजदीक आता देख अभियुक्त ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी फायरिंग में बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। एसीपी ने बताया कि घायल बदमाश का नाम तसलीम पुत्र मोहम्मद सलीम उर्फ लंगड़ा निवासी हाकीपुर थाना मुरादनगर को गिरफ्तार करके उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आये कि अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध गौवध व गैंगस्टर के अभियोग पंजीकृत हैं। आज वह विजयनगर की तरफ सड़क किनारे बैठी गायों की रैकी कर गाड़ी में भरकर ले जाकर गौकशी करने के इरादे से आया था।

सहायक पुलिस आयुक्त रीतेश त्रिपाठी ने बताया कि अभियुक्त के पास से मय कारतूस एक तमंचा, 700 रुपए नगद व दिल्ली से चोरी की गई बाइक बरामद हुई है।

नगर कोतवाल अनुराग शर्मा ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध थाना मुरदानगर पर गौवध अधिनियम व गैंगस्टर एक्ट के अभियोग पंजीकृत हैं तथा अन्य अभियोग के संबंध में जानकारी की जा रही है।

नगर कोतवाली साइबर सेल ने ठगी की रकम कराई वापस

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

गाजियाबाद। साइबर सेल थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम ने साइबर फ्रॉड से ठगे गए हजारों रुपए वापस कराए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार साइबर सेल थाना कोतवाली नगर को ठउफद्ध पोर्टल के माध्यम से 20 मई को गुलशन कुमार का फोन हैक करके उनके क्रेडिट कार्ड से 83,701/-रू0 की शॉपिंग कर साइबर ठगी से सम्बंधित शिकायत प्राप्त हुई थी। जिस पर साइबर सेल की टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए

गुलशन के क्रेडिट कार्ड से हुये ऑर्डर को कैंसिल कराकर 61,148 रु0 आवेदक के क्रेडिट कार्ड में रिफन्ड कराये गए। पुलिस द्वारा तत्परता से की गई इस कार्यवाही से प्रसन्न होकर आवेदक द्वारा पुलिस टीम का आभार प्रकट किया गया।

भूपेंद्र डबास बने प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, नेताओं ने दी बधाई

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

गाजियाबाद : राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के कविनगर कार्यालय में एक विशेष समारोह में उत्तर प्रदेश लोकदल के प्रदेश कार्यकारिणी के नवनियुक्त सदस्य भूपेंद्र डबास का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें फूल-मालाओं से सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

केंद्र सरकार में केंद्रीय मंत्री और रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व और राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) त्रिलोक त्यागी के दिशा-निर्देश पर उत्तर प्रदेश लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष राम आशीष राय ने भूपेंद्र डबास को प्रदेश कार्यकारिणी का सदस्य नियुक्त कर एक कार्यकर्ता को सम्मानित करने का सराहनीय कदम उठाया।

इस समारोह में तेजपाल सिंह (राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य), इंद्रजीत सिंह टीटू (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), रविंद्र चौहान (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव), विजय कौशिक (राष्ट्रीय महासचिव), ओ.डी. त्यागी (प्रदेश सचिव), और संजीव अरोड़ा (खेल प्रकोष्ठ महानगर अध्यक्ष) सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। सभी ने भूपेंद्र डबास के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उनके नेतृत्व में पार्टी के लिए नई ऊर्जा की उम्मीद जताई।

रालोद नेतृत्व ने इस नियुक्ति को संगठन को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर डासना में विशाल आयोजन

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

गाजियाबाद: जिला कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद और महानगर कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद ने संयुक्त रूप से जनपद की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत डासना में स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर एक भव्य महापंचायत चौपाल का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कल्लू गाढ़ी सीनू प्रधान के घेर पर आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता सीनू प्रधान ने की। मुख्य अतिथि बलराम सिंह वाल्मीकि रहे।

गाजियाबाद जिले के संगठन कोऑर्डिनेटर ने सभी पदाधिकारियों को संगठन सर्जन की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि 2027 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के अधूरे सपनों को माननीय सांसद श्री राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरा किया जाएगा। जिला अध्यक्ष

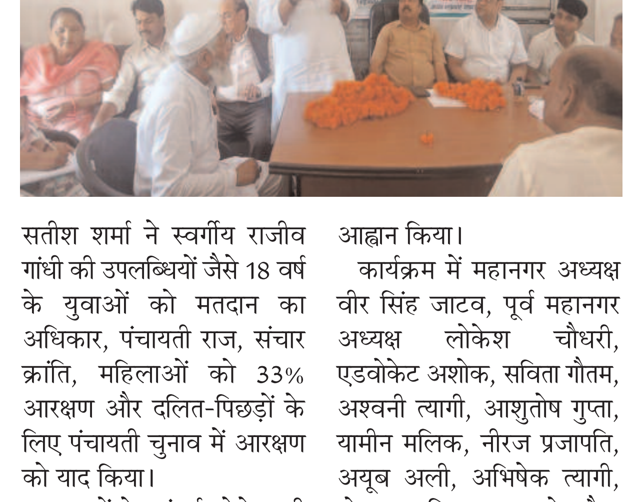

सतीश शर्मा ने स्वर्गीय राजीव गांधी की उपलब्धियों जैसे 18 वर्ष के युवाओं को मतदान का अधिकार, पंचायती राज, संचार क्रांति, महिलाओं को 33% आरक्षण और दलित-पिछड़ों के लिए पंचायती चुनाव में आरक्षण को याद किया।

वक्ताओं ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रामक प्रचार जैसी समस्याओं पर चिंता जताई और हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी को एकजुट होकर वर्तमान सरकार के खिलाफ लड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव, पूर्व महानगर अध्यक्ष लोकेश चौधरी, एडवोकेट अशोक, सविता गौतम, अश्वनी त्यागी, आशुतोष गुप्ता, यामीन मलिक, नीरज प्रजापति, अयूब अली, अभिषेक त्यागी, मोहम्मद मलिक, नवाब चेयरमैन, साहब देवदास शर्मा, इमरान कुरैशी, आरिफ राणा, एडवोकेट चंद्रपाल, राजेश गुप्ता, विनोद सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और डासना की जनता उपस्थित रही।

आंगनबाड़ी केंद्र पर गोदभराई कार्यक्रम आयोजित

भारत का बदलता शासन follow @Bharatkbs

सहारनपुर: बिहारीगढ़ समीपवर्ती गांव तेलपुरा में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र पर गोदभराई कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं नन्ही बालिकाओं को अन्नप्राशन करवाया गया, इस दौरान गृभवती महिलाओं को खान-पान में विशेष तौर पर सावधानी बरतने की सलाह भी दी गई।

ग्राम तेलपुरा स्थित सोनिया शर्मा के आंगनबाड़ी केंद्र पर आयोजित गोद भराई कार्यक्रम में शामिल महिला एवं बाल विकास विभाग की क्षेत्रीय पर्यवेक्षक श्रीमती पूनम रानी ने उपस्थित सभी महिलाओं को जानकारी देते हुए बताया कि गर्भधारण होने के तुरंत 1 महीने बाद टेटनेस का इंजेक्शन बहुत जरूरी है। उन्होंने सभी महिलाओं को बताया कि गर्भवती महिलाओं को संतुलित भोजन जिसमें हरी पत्तेदार सब्जियों का अधिक सेवन करना चाहिए तथा 6 माह तक आयरन तथा कैल्शियम की गोलियां बहुत जरूरी है। इसके अलावा सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यह है कि गृभवती महिलाओं को अपनी खुराक में रोजाना कम से कम 25 प्रतिशत मात्रा बढ़ाकर लेनी चाहिए, और प्रत्येक माह आंगनबाड़ी केंद्र पर पहुंचकर गर्भवती महिलाओं को अपने शरीर का वजन कराकर इस बात की पुष्टि कर लेनी चाहिए कि कहीं शरीर में वजन घटने की वजह से किसी तरह की शारीरिक कमजोरी तो नहीं है।

उक्त कार्यक्रम में शामिल श्रीमती प्रवीन, सुमन देवी, आरती देवी, अंजली, गुलिस्तां और साहिबा की गोदभराई हुई तथा मन्तशा के यहां हुई प्रथम बालिका का मौसमी फल, ड्राई-फ्रूट्स तथा नये वस्त्र भेंट कर जन्मोत्सव मनाया गया। श्रीमती मतलूबन की सात महीने की बच्ची को दलिया खिलाकर अन्नग्रहण की शुरूआत की।

इस मौके पर सपना देवी, सोनिया शर्मा, सरोज शर्मा, मिनाक्षी, प्रियंका देवी, मोनिका, रेखा देवी, गुलिस्तां, सुमन, अनिता सुदेश देवी, किश्वर जहां, संयोगिता देवी, रहनुमा आदि अनेक महिलाएं शामिल रही।

छुटमलपुर नगर पंचायत में विकास कार्यों पर विवादः सभासदों ने चेयरमैन और ईओ पर लगाया मनमानी का आरोप, जांच न होने पर आंदोलन की चेतावनी

भारत का बदलता शासन follow @Bharatkbs

सहारनपुरः छुटमलपुर नगर पंचायत में विकास कार्यों को लेकर विवाद गहरा गया है। सभासदों ने गुरुवार को जिलाधिकारी, मंडलायुक्त और एडीएम (ई) को ज्ञापन सौंपा। नगर पंचायत अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी पर गंभीर आरोप लगे हैं।

सभासदों का कहना है कि विकास कार्यों में न पारदर्शिता है और न ही गुणवत्ता का ध्यान रखा जा रहा है। उन्हें कार्यों के टेंडर, लागत और प्रगति की जानकारी नहीं दी जा रही है। पिछले दो महीने से बोर्ड बैठक भी नहीं हुई है। सभासदों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही कार्यों की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो वे धरना-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर लखनऊ जाकर उच्चाधिकारियों से मिलेंगे। ज्ञापन देने वालों में रजत राणा, विकास तोमर, ममता शर्मा, डॉ. किरण पाल सिंह, दिलजहाँ, सुरेशो, रेशमा, इंतखाब, रमेश डाबर, आशीष धीमान, बानो, आदिल अल्वी और नवाब अंसारी शामिल थे। सभासद प्रतिनिधियों में भूपेंद्र शर्मा, कारी नौशाद, रिजवान और मंगल गौतम मौजूद रहे।

बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर प्रारंभ किए गए समर कैंप 2025 की शुरूआत

भारत का बदलता शासन follow @Bharatkbs

नेहा शर्मा

सहारनपुर जनपद के परिषदीय विद्यालयों में उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। इस शिविर का संचालन समस्त परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं कंपोजिट विद्यालयों में किया गया, समर कैंप का शुभारंभ पारंपरिक प्रार्थना सभा और सूर्य नमस्कार से हुआ। तत्पश्चात प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों योग अभ्यास में प्राणायाम, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन जैसे सरल परंतु प्रभावशाली योगासनों का अभ्यास कराया गया। योग के प्रत्येक अभ्यास को बच्चों को सहज रूप में समझाते हुए इसके शारीरिक और मानसिक लाभों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने योग के माध्यम से एकाग्रता, मानसिक शांति और स्वास्थ्य लाभ के महत्व को गहराई से समझा। सभी प्रतिभागियों ने योग को अपनी दिनचर्या में अपनाने का संकल्प लिया। समर कैंप में शारीरिक विकास पक्ष को और अधिक सक्रिय बनाने के उद्देश्य से बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा दिया, बल्कि टीम वर्क, अनुशासन और फुर्ती जैसे गुणों का भी विकास किया। खिलाड़ियों ने खेल भावना के साथ मैच खेले और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की। बेसिक शिक्षा अधिकारी कु. कोमल जी ने कहा गत दिवस समर कैंप के आयोजन में बच्चों ने पूरी लगन और उत्साह के साथ भाग लिया।

योगाभ्यास के साथ-साथ आयोजित खेल और रचनात्मक गतिविधियों ने विद्यार्थियों में टीम वर्क, अनुशासन और आत्मविश्वास जैसे गुणों का विकास हुआ। इस अवसर पर कु. कोमल जी ने यह भी कहा कि समर कैंप के माध्यम से बच्चों को न केवल सीखने का एक नया अनुभव प्राप्त हुआ, बल्कि उन्होंने योग और अनुशासित जीवनशैली के महत्व को भी आत्मसात किया, जो उनके भविष्य में एक मजबूत नींव की तरह कार्य करेगा,

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में व्यापार बंधु की बैठक हुई आयोजित

भारत का बदलता शासन follow @Bharatkbs

अशोक शर्मा

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गयी।

इस अवसर पर उन्होने निर्देश दिए कि नगर निगम संबंधी मुद्दों के त्वरित निस्तारण के लिए नगर आयुक्त की अध्यक्षता में अलग से बैठक कराई जाए। कम्पनी बाग में स्थित शौचालय को नगर निगम या शुलभ के माध्यम से संचालित कराया जाए। उन्होने संयुक्त निदेशक उद्यान को हैण्ड-ओवर संबंधी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। घण्टाघर से रेलवे स्टेशन रोड पर बने डिवाइडर में कहां पर कट देना है और कहां से बंद करना है इसके लिए सिटी मजिस्ट्रेट, एसपी यातायात एवं नगर निगम के मुख्य अभियंता संयुक्त रूप से निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि व्यापार बंधु की बैठक में व्यापार संबंधी मुद्दों को ही प्राथमिकता दी जाए। पंक्चर लगाने वाले जैल का नशीले पदार्थ के रूप में प्रयोग करने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि स्टेशन के आस-पास सख्ती से कार्रवाई करते हुए सुनिश्चित कराएं की इस प्रकार की सामग्री का विक्रय केवल दुकानदारों को ही किया जाए। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत विद्युत बिलों संबंधी प्रकरणों में निर्देश दिए कि चीफ इंजीनियर की अध्यक्षता में वैण्डरों, विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं पीओ नेडा की बैठक बुलाकर समस्या का समाधान किया जाए। विधिक माप विज्ञान विभाग को निर्देश दिए कि मोडल अप्रूवल वाले इंडीकेटर प्रयोग करने वाले धर्मकांटों की ही मुद्रांकन सील की जाए। साथ ही बिना मोडल अप्रूवल वाले इंडीकेटर को यथाशीघ्र परिवर्तित कराया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन संतोष बहादुर सिंह, व्यापारी हरपाल सिंह वर्मा, मुकुंद मनोहर गोयल, नुसरत साबरी, आलोक अग्रवाल, नरेश गोयल सहित अन्य व्यापारी बंधु तथा संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरस्वती स्कूल के छात्र-छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

भारत का बदलता शासन follow @Bharatkbs

सलीम चौधरी

कैराना। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर कस्बे के लाला नरसिंह दास सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलिज के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक स्टाफ ने तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान भारतीय सेना के पराक्रम को नमन करते हुए हिन्दुस्तान जिंदाबाद के गगनभेदी नारे भी लगाए गए।

गुरुवार को कस्बे के लाला नरसिंह दास सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलिज के छात्र-छात्राओं द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह, विद्यालय प्रबंधक राजेन्द्र कुमार व प्रधानाचार्य राजीव कुमार आदि द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया गया। तिरंगा यात्रा विद्यालय से प्रारंभ होकर सरस्वती शिशु मंदिर, चौक बाजार, जोडवा कुआं, निर्मल चौराहा, पीपलोतला, पट्ठोंवाला, मुख्य शामली-कैराना मार्ग, पुराना बिजलीघर से होते हुए वापिस विद्यालय पर आकर सम्पन्न हुई। तिरंगा यात्रा पर नगरपालिका स्टाफ एवं नगर के बाशिंदों द्वारा पुष्प वर्षा की गई। तिरंगा यात्रा के दौरान लगाए गए भारतीय सेना जिंदाबाद, हिन्दुस्तान जिंदाबाद व पाकिस्तान मुर्दाबाद के जयघोष से आसमान गूंज उठा। इससे पूर्व, विद्यालय प्रधानाचार्य राजीव कुमार ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने निरपराध नागरिकों को नृशंस हत्या की थी, जिसके जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर पाकिस्तान में संचालित आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का पराक्रम हर भारतीय के मन में स्वाभिमान पैदा करता है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक भारतीय को सेना पर गर्व होना चाहिए। भारतीय सेना की जवाबी कार्यवाही ने आतंकियों के हौंसले पस्त किये है। उन्होंने कहा कि हम सभी को राष्ट्र सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. घनश्याम, सुदेशपाल आर्य, डॉ. रमेश, डॉ. श्रवण कुमार, रामकुमार समेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नंगलाराई में आकाशीय बिजली गिरने से ट्रैक्टर जलकर खाक

भारत का बदलता शासन follow @Bharatkbs

सलीम चौधरी

कैराना। खादर क्षेत्र के गांव नंगलाराई में आकाशीय बिजली गिरने से छप्पर के नीचे खड़ा किसान का महिंद्रा ट्रैक्टर जलकर खाक हो गया। इसके अलावा, किसान का कमरे में रखा भूसा भी आग की चपेट में आकर स्वाहा हो गया। पीड़ित किसान ने प्रशासन से मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

विगत बुधवार शाम अचानक हुई आंधी-बारिश से क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है। खादर क्षेत्र के गांव नंगलाराई निवासी इलियास पुत्र अफलातून का महिंद्रा-575 ट्रैक्टर घर के सामने स्थित छप्पर के नीचे खड़ा था। शाम करीब साढ़े सात बजे अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली छप्पर पर आकर गिरी, जिससे छप्पर में आग लग गई। छप्पर में खड़ा किसान का ट्रैक्टर भी आग की चपेट में आ गया। किसान ने परिजनों व ग्रामीणों के साथ में मिलकर पानी व मिट्टी आदि से छप्पर व ट्रैक्टर में लगी आग पर बामुश्किल काबू पाया, लेकिन तब तक छप्पर व ट्रैक्टर पूरी तरह जलकर खाक हो चुके थे। इसके अलावा, किसान के छप्पर के निकट स्थित कमरे में रखा भूसा भी आग के चपेट में आकर स्वाहा हो गया। वहीं, कमरे की खिड़की भी आकाशीय बिजली से क्षतिग्रस्त हुई है। किसान ने करीब साढ़े तीन लाख रुपये का नुकसान होने की बात कही है। वहीं, पीड़ित किसान ने प्रशासन से आग से हुए नुकसान का मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

लिप्टिस का पेड़ गिरने से मकान की दीवार व छप्पर धराशायी

बुधवार शाम आए आंधी-तूफान से गांव मवी में यमुना बांध पर खड़ा लिप्टिस का पेड़ पास में ही स्थित दो सगे भाइयों इसरार व इस्तकार के मकान पर आ गिरा, जिससे मकान के आंगन में बना छप्पर व दीवार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि घटना के वक्त दोनों भाइयों के परिवार के सदस्य घर के अंदर मौजूद थे, जिसके चलते कोई सदस्य पेड़ की चपेट में नही आया। पीड़ित दोनों भाइयों का कहना है कि मकान के सामने यमुना बांध पर लिप्टिस के करीब 15-16 पेड़ खड़े हुए है। जो आंधी-तूफान में गिरकर उन्हें नुकसान पहुंचाते रहते है। उन्होंने पूर्व में वन विभाग को प्रार्थना-पत्र देकर उक्त पेड़ो को यहां से निकलवाने की मांग की थी, लेकिन आजतक कोई कार्यवाही नही हुई। वहीं, गांव का पूर्व प्रधान दिलशाद बुधवार शाम बाइक से अपने खेत गया था। बाइक खड़ी करके वह खेत में कार्य कर रहा था। इसी दौरान तूफान के चलते वहां खड़ा लिप्टिस का एक पेड़ उसकी बाइक पर आ गिरा, जिससे बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उधर, कस्बे के पानीपत मार्ग पर स्थित मजीद कॉलोनी में मुंतियाज का मकान है। बुधवार देर शाम आये आंधी-तूफान से पड़ोसी इरफान के मकान की दीवार मुंतियाज के घर की छत पर आ गिरी, जिससे छत क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि परिवार का कोई सदस्य छत के मलबे की चपेट में नही आया।

दबंगों ने एक दर्जन से अधिक किसान के पेड़ काटे दी जान से मारने की धमकी

भारत का बदलता शासन follow @Bharatkbs

सलीम चौधरी

शामली : निकटवर्ती ग्राम बुटराडा निवासी एक समाजसेवी ने डीएम को शिकायती पत्र देकर बताया कि गांव के कुछ दबंगों ने उसकी खेती-बाड़ी भूमि से रात्रि के समय चोरी से एक दर्जन से अधिक किमती पेड़ काट लिए है जिसको लेकर किसान ने गांव के कुछ मोजिज लोगों से शिकायत की जहां मोजिज लोगों ने उक्त पेड़ काटने वालों को बुलाया और नुकसान कि भरपाई को कहा जिसको लेकर दबंगों द्वारा कुछ समय नुकसान कि भरपाई करने को दिया गया लेकिन किसान को दबंगों द्वारा जान से मारने कि धमकी दी जा रही है वहीं दूसरी पीड़ित ने एक शिकायती पत्र देकर डीएम से अपनी जान माल कि हिफाजत कि गुहार लगाई है

जिले में समर कैंप का होगा आयोजन इक्किस मई से दस जून तक

भारत का बदलता शासन follow @Bharatkbs

सीतापुर/राकेश पाण्डेय। परिषदीय विद्यालयों में ग्रीष्म कालीन अवकाश में शासन के आदेश के बाद समर कैंप का आयोजन इक्किस मई से प्रारम्भ हो गया है जिसके चलते जिले के विकास क्षेत्र सकरन के पूर्व माध्यमिक विद्यालय व राजकीय इण्टर कॉलेज सांडा तथा कंपोजिट विद्यालय कलिमापुर तथा विकास खण्ड मिश्रित के कस्बा मिश्रित में सीतापुर हरदोई रोड के किनारे सीता कुंड वार्ड नंबर एक में स्थित इंजीनियस प्रेसीडेंसी एकेडमी विद्यालय में गुरुवार को समर कैंप के तहत गतिविधियां कराई गई। जिले के विकासखंड सकरन क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय राजकीय इंटर कॉलेज सांडा तथा कंपोजिट विद्यालय कलिमापुर में विद्यालय के बच्चों को योग एवं व्यायाम, स्वपरिचय,रस्साकशी, म्यूजिकल चेयर,रस्सी कूद आदि विभिन्न गति विधियाँ कराई गई।

कंपोजिट विद्यालय कलिमापुर में समर कैंप में खण्ड शिक्षा अधिकारी ओंकार सिंह द्वारा शीर्षा सन करते हुए इसके लाभ को बच्चों में बताते हुए इसका नियमित अभ्यास करने की बात कही।

इसके साथ साथ उन्होंने बताया कि समस्त उन्चास उच्च प्राथमिक विद्यालय व कंपोजिट विद्यालय में समर कैंप का आयोजन इक्किस मई से दस जून तक किया जाना है जिसमें कक्षा छः से आठ तक के बालक बालिकाएं प्रतिभा करेंगी,जिसके लिए अनुदेशक और शिक्षा मित्र को नामित किया गया है।दिवस-वार गतिविधियों का रोस्टर निश्चित है जिसके तहत बच्चों में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। समर कैंप की गतिविधि यों का निरीक्षण ब्लॉक स्तर के साथ-साथ जिला स्तर पर गठित टीम के द्वारा किया जाएगा। इस दौरान विद्यालय के प्रवीण कुमार, रुचि वर्मा, धीरेन्द्र पटेल, कफील अहमद आदि मौजूद रहे। इसके अलावा कस्बा में मिश्रिख में सीतापुर हरदोई रोड के किनारे सीताकुंड वार्ड एक में स्थित इंजीनियस प्रेसीडेंसी एकेडमी विद्यालय द्वारा फायर ब्रिगेड स्टेशन बर्मी में मौजूद पार्क का भ्रमण बच्चों को कराया गया।

विद्यालय प्रबंधन ने जानकारी देते हुए बताया की बीस मई से विद्यालय में बच्चों की छुट्टियां चल रही है जिसमें शासन के निदेर्शानुसार बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन किया गया है इस आयोजन के तहत सभी बच्चों को सफर कराया जा रहा है। इस समर कैंप का अगला टूर पुलिस स्टेशन एसडीम ऑफिस,आईसीआई सीआई बैंक आदि का भ्रमण कराया जाएगा।

इस मौके पर प्रधान अध्यापक ज्ञानेश गिरी जाह्नवी वैश्य, प्रगति, अंजू प्रीति आदि बच्चों के साथ मनोरंजन में मौजूद रहे।

पोषक तत्वों से भरपूर भिंडी, गर्मी के लिए है बेस्ट

हरी और लंबी-लंबी सब्जी जिसे लेडीज फिंगर या भिंडी और कई जगह ओकरा भी कहते हैं न केवल स्वाद में बेहतरीन बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होती है। भिंडी में पर्याप्त मात्रा में फाइबर के साथ विटामिन ए, सी के साथ पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज तत्व के साथ एंटीऑक्सिडेंट भी पाए जाते हैं। सुपाच्य और ठंडी तासीर की वजह से यह गर्मी के मौसम के लिए बेहतरीन सब्जियों की लिस्ट में शामिल है। गर्मियों में भिंडी बाजार में आसानी से मिल जाती है, इसलिए इस सीजन में लोग भिंडी का सेवन करते हैं। यह स्वादिष्ट होने के साथ ही सुपाच्य भी होती है। स्वाद से भरपूर भिंडी खाने से कई फायदे भी मिलते हैं।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन (2021) में इसकी महत्ता बताई गई है। स्टडी के अनुसार, ओकरा की उत्पत्ति इथियोपिया के पास हुई थी, जहां 12वीं शताब्दी के दौरान मिस्र में इसे उगाया जाता था और उसके बाद पूरे मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में इसकी खेती होने लगी। ओकरा को ज्यादातर उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगाया जाता है और यह एक लोकप्रिय फसल है। यह व्यापक रूप से उगाई जाने वाली खाद्य फसल है और विश्व स्तर पर अपने स्वाद के लिए जानी जाती है। भिंडी की हरी फली की आमतौर पर सब्जी बनाई जाती है, जबकि फली का अर्क सूप के साथ-साथ सॉस के कई व्यंजनों में उनकी चिपचिपाहट बढ़ाने के लिए या फिर गाढ़ा करने वाले एजेंट के रूप में भी काम करता है। भिंडी के फल का एक और उल्लेखनीय प्रयोग अचार उद्योग में किया जाता है।

भिंडी के सेवन से पाचनतंत्र मजबूत होता है और यह कई समस्याओं को दूर करने के साथ सेहत भी दुरुस्त रहती है। इसमें विटामिन सी, मैग्नीशियम के साथ ही कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। सोडियम, फास्फोरस, कैल्शियम, आयरन, जिंक जैसे पोषक तत्वों से भरपूर भिंडी की तासीर ठंडी होती है। भिंडी में प्रोटीन, विटामिन, मैग्नीशियम, फाइबर के साथ ही एंटीऑक्सिडेंट समेत अन्य पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। इसे आप किसी भी समय खा सकते हैं। भिंडी का पानी पीने से यह आपके पेट को ठंडा रखता है।

भिंडी में फाइबर भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यह पाचनतंत्र को मजबूत करने के साथ पेट से जुड़ी तमाम समस्याओं को भी दूर करती है। कब्ज, वात, कच्ची डकार में राहत मिलती है। पेट के साथ ही भिंडी हृदय के लिए भी फायदेमंद है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल की समस्या दूर होने के साथ ही हार्ट की सेहत दुरुस्त रहती है। यदि आपको मधुमेह की शिकायत है, तो भिंडी का सेवन जरूर करें। इसमें ग्लाइसेमिक नाम का तत्व पाया जाता है, जिसके सेवन से मधुमेह नियंत्रित होता है। भिंडी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है।

योग भारत की अमूल्य धरोहर, आधुनिक जीवन का आधार

भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर योग आज विश्व स्तर पर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का पर्याय बन चुका है। संस्कृत शब्द युज से उत्पन्न योग का अर्थ है जोड़ना, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। महर्षि पतंजलि के योगसूत्र में इसे चित्त की वृत्तियों का निरोध कहा गया है, जिसका अर्थ होता है, मन को नियंत्रित कर शांति और आत्म-साक्षात्कार की अवस्था प्राप्त करना

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि एक समग्र जीवनशैली है, जो तनाव, बीमारियों और आधुनिक जीवन की चुनौतियों से निपटने में सहायक है। प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों द्वारा विकसित यह विद्या आज वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और कल्याण का प्रतीक बन चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि योग न केवल शारीरिक लचीलापन और ताकत बढ़ाता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। योग के विभिन्न रूप, जैसे हठ योग, राज योग, भक्ति योग, और कर्म योग, अलग-अलग जरूरतों को पूरा करते हैं।

हठ योग, शारीरिक मुद्राओं (आसन) और प्राणायाम (श्वास नियंत्रण) पर केंद्रित है, जो शरीर को लचीला, मजबूत और स्वस्थ बनाता है। हठ शब्द ह (सूर्य) और ठ (चंद्र) से मिलकर बना है, जो शरीर की ऊर्जा को संतुलित करने का प्रतीक है। यह योग का वह रूप है, जो आधुनिक जीवनशैली में स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के लिए सबसे लोकप्रिय है। यह आसन, प्राणायाम, मुद्राओं का समन्वय है, जो शरीर और मन को शुद्ध करता है। सूर्य नमस्कार, भुजंगासन, और ताड़ासन जैसे आसन शारीरिक लचीलापन और मांसपेशियों की ताकत बढ़ाते हैं, जबकि अनुलोम-विलोम और कपालभाति जैसे प्राणायाम श्वसन तंत्र को मजबूत करते हैं।

राज योग ध्यान और मानसिक अनुशासन पर जोर देता है। राज अर्थात् श्रेष्ठ योग, मन को नियंत्रित कर आत्म-साक्षात्कार और आंतरिक शांति का मार्ग प्रशस्त करता है। महर्षि पतंजलि के योगसूत्र में वर्णित अष्टांग योग राज योग का आधार है, जो यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि के माध्यम से मन की चंचलता को शांत करता है।

राज योग का लक्ष्य चित्त की वृत्तियों को नियंत्रित करना है, जैसा कि पतंजलि ने कहा, योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः। यह शारीरिक व्यायाम से अधिक मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास पर केंद्रित है। ध्यान, आत्म-निरीक्षण और एकाग्रता के माध्यम से यह व्यक्ति को तनाव, चिंता और नकारात्मक विचारों से मुक्ति दिलाता है। राज योग को आत्मा का विज्ञान भी कहा जाता है, जो व्यक्ति को अपनी आंतरिक शक्ति और उच्च चेतना से जोड़ता है।

विशेषज्ञ राज योग को आधुनिक जीवन की चुनौतियों का समाधान मानते हैं। स्वामी विवेकानंद ने राज योग को मन की शक्ति को जागृत करने की कला बताया है।

भक्ति योग प्रेम, समर्पण और श्रद्धा के माध्यम से परमात्मा से जुड़ने का मार्ग है। भगवद्गीता में भक्ति योग को ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में वर्णित किया गया है, जो मन को शुद्ध करता है और व्यक्ति को आंतरिक शांति व आनंद प्रदान करता है। यह योग भावनात्मक और आध्यात्मिक अनुशासन पर केंद्रित है, जो प्रेम और भक्ति को जीवन का आधार बनाता है।

भक्ति योग का मूल तत्व है ईश्वर, गुरु या उच्च शक्ति के प्रति श्रद्धा और निस्वार्थ प्रेम। यह भजन, कीर्तन, प्रार्थना, पूजा और सेवा जैसे अभ्यासों के माध्यम से व्यक्त होता है। नारद भक्ति सूत्र में भक्ति को परम प्रेम कहा गया है, जो व्यक्ति को अहंकार और सांसारिक मोह से मुक्त करता है। भक्ति योग नौ प्रकार के भक्ति मार्गों श्रवण, कीर्तन, स्मरण, पादसेवन, अर्चन, वंदन, दास्य, सख्य और आत्मनिवेदन के माध्यम से आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर के अनुसार, भक्ति योग प्रेम और समर्पण की वह शक्ति है, जो मन को शांत और हृदय को करुणा से भर देती है।

कर्म योग निस्वार्थ कर्म और कर्तव्य पर केंद्रित है। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया कर्म योग का उपदेश, कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन (तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, उसके फलों में कभी नहीं) इसके मूल सिद्धांत को रेखांकित करता है। कर्म योग व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निर्वहन बिना फल की इच्छा के करने की प्रेरणा देता है, जो मन को शुद्ध और जीवन को सार्थक बनाता है। कर्म योग का आधार है कार्य को पूजा मानकर करना। यह न तो कर्म से भागने की सलाह देता है और न ही फल की लालसा में डूबने की। यह व्यक्ति को अपने कार्यों को समाज, प्रकृति और ईश्वर की सेवा के रूप में देखने के लिए प्रेरित करता है। स्वामी विवेकानंद ने कर्म योग को निस्वार्थ कार्य के माध्यम से आत्मा की मुक्ति बताया है।

नीम की पत्ती ही नहीं, फूल भी है औषधीय गुणों का खजाना

हीटवेव हो या अपच, मिलती है चुटकियों में राहत

कड़वी लेकिन अनगिनत फायदों वाली नीम की पत्तियों को तो आपने खूब चबाया होगा, लेकिन क्या कभी उसका फूल खाया है? गर्मी के दिन में तपती दुपहरिया में घर से निकलना हो तो दादी-नानी छोटे-छोटे खूबसूरत और सौंधी खुशबू वाले फूल, उससे बना शर्बत हो या भूजिया जरूर खिलाती थीं। वजह उसके पोषक तत्व थे। ये न केवल हीटवेव से बचाने में सक्षम हैं बल्कि गर्मी के दिनों के लिए बेहद फायदेमंद हैं।

टेलर एंड फ्रांसिस में प्रकाशित एक शोध पत्र (जून 2024) में नीम के फूलों की खासियत बताई गई है। अध्ययन नीम के फूलों के औषधीय गुणों की खोज करता है, अन्य पौधों के भागों की तुलना में उनके कम हानिकारक और अधिक लाभदायक होने की क्षमता पर प्रकाश डालता है। क्लोरोफॉर्म, एथिल एसीटेट, इथेनॉल और मेथनॉल सहित उनकी पोलेरिटी के आधार पर सॉल्वेंट्स का उपयोग करके फाइटोकेमिकल्स निकाले गए। मधुमेह विरोधी और कैंसर विरोधी गुणों का पता लगाने के लिए इन चार अर्कों का विश्लेषण किया गया। इनमें इथेनॉलिक अर्क

मधुमेह और कैंसर कोशिकाओं से लड़ने में सबसे प्रभावी पाया गया।

भारत के लगभग हर घर में बचपन से लोग बड़े बुजुर्गों को इसके गुणों का बखान करते सुनते आए हैं। नीम की पत्तियों और टहनी की तरह फूल को भी आयुर्वेद में बेहद कारगर औषधि का दर्जा प्राप्त है। नीम के छोटे-छोटे फूलों में बड़ी-बड़ी समस्याओं को दूर करने की ताकत है। गर्मी के दिनों में नीम का फूल इंसानों के लिए प्रकृति का तोहफा है। रोजाना इसके सेवन करने से खून साफ होता है, चेहरे पर ग्लो आता है और दाग-धब्बे, मुंहासों के साथ इंफेक्शन से भी मुक्ति मिलती है। इसमें मौजूद एंटी फंगल गुण, एंटीइंफ्लेमेटरी गुण और एंटी बैक्टीरियल गुण शरीर के लिए बहुत उपयोगी हैं। नीम के फूलों से बनी शरबत हो या भुजिया, सेहत के लिए दोनों ही फायदेमंद हैं। उत्तर भारत में नीम के फूल को सरसों के तेल और जीरे की छौंक के साथ भुजिया के तौर पर बनाया जाता है, तो वहीं दक्षिण भारत में कई तरह के व्यंजनों को बनाने में इसका इस्तेमाल किया जाता है। नीम के फूल का शरबत पेट को बेहतर और पाचन तंत्र को बेहतर करने, खून साफ करने के साथ मधुमेह के लिए भी बहुत उपयोगी है। इसमें मौजूद गुण पेट को साफ और पाचन तंत्र को हेल्दी रखते हैं। अपच, वात, कब्ज समेत अन्य समस्याओं में भी यह बहुत उपयोगी है।

इसके सेवन से पेट में मौजूद कीड़े भी खत्म हो जाते हैं। फूलों में मौजूद एंटी फंगल, एंटी बैक्टीरियल और एंटी सेप्टिक गुण पाए जाते हैं। स्किन से जुड़ी समस्याओं में भी फायदा मिलता है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ ही भूख भी बढ़ाता है। गर्मी के मौसम में चिलचिलाती धूप और बढ़ते तापमान के कारण सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याएं पैदा हो जाती हैं। ऐसे में नीम के फूलों का शरबत पीना शरीर के लिए लाभदायी है।

प्रियंगु : आयुर्वेद का चमत्कार, पेट से त्वचा तक हर रोग से लड़ने में मददगार

आयुर्वेद में अनेक वनस्पतियां अपने औषधीय गुणों के कारण जानी जाती हैं। इनमें प्रियंगु का नाम भी प्रमुखता से लिया जाता है, इसे हिन्दी में बिरमोली या धयिया कहा जाता है और यह पौष्टिक गुणों से भरपूर होता है। प्रियंगु में मौजूद औषधीय गुणों के कारण इसे विशेष रूप से पेट और त्वचा संबंधी समस्याओं के इलाज में उपयोग किया जाता है।

प्रियंगु का उल्लेख आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों जैसे चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, भावप्रकाश, धन्वंतरी निघण्टु आदि में देखने को मिलता है। इन ग्रंथों में प्रियंगु को विभिन्न कल्पों जैसे पेस्ट, काढ़ा, तेल, घी और आसव के रूप में प्रयोग किया गया है। वाग्भट्ट और सुश्रुत के ग्रंथों में भी इसे कई रोगों के उपचार में शामिल किया गया है। प्रियंगु पौधा भारत के अधिकांश क्षेत्रों, विशेषकर लगभग 1800 मीटर की ऊंचाई तक के पर्वतीय इलाकों में पाया जाता है। यह बहुउपयोगी वनस्पति न केवल परंपरागत चिकित्सा में स्थान रखती है बल्कि आधुनिक विज्ञान भी इसके औषधीय गुणों की पुष्टि कर रहा है।

वर्तमान में प्रियंगु की चर्चा तीन प्रमुख वनस्पतियों- कैलिकार्पा मैक्रोफिला वाहल, एग्लैया रॉक्सबर्गियाना मिक और प्रूनस महालेब लिन के रूप में की जाती है। इसका वैज्ञानिक नाम कैलिकारपा मैक्रोफिला वाहल है। अंग्रेज़ी में इसे सुगंधित चेरी या ब्यूटी बेरी कहा जाता है। भारत की विभिन्न भाषाओं में इसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है। संस्कृत में इसे वनिता, प्रियंगु, लता, शुभा, सुमङ्गा के नाम से जाना जाता है। हिन्दी में बिरमोली, धयिया के नाम से, बंगाली में मथारा के नाम से, मराठी में गहुला के नाम से, तमिल में नललु के नाम से, मलयालम में चिमपोपिल के नाम से, गुजराती में घंऊला के नाम से और नेपाली में इसे दयालो के नाम से जाना जाता है।

प्रियंगु का स्वाद तीखा, कड़वा और मधुर होता है। यह स्वभाव से शीतल, लघु और रूखा होता है और वात-पित्त दोषों को संतुलित करने वाला होता है। यह त्वचा की रंगत निखारने, घाव को भरने, उल्टी, जलन, पित्तजन्य बुखार, रक्तदोष, रक्तातिसार, खुजली, मुंहासे, विष और प्यास जैसी समस्याओं में लाभकारी होता है। इसके बीज और जड़ आमाशय की क्रियाविधि को उत्तेजित करने में मदद करते हैं और मूत्र संबंधी विकारों में उपयोगी सिद्ध होते हैं।

दांतों की बीमारियों के इलाज में भी प्रियंगु का उपयोग अत्यंत लाभकारी है। प्रियंगु, त्रिफला और नागरमोथा को मिलाकर तैयार किए गए चूर्ण को दांतों पर रगड़ने से शीताद (मसूड़ों से जुड़ा रोग) में राहत मिलती है। खान-पान में असंतुलन के कारण होने वाले रक्तातिसार और पित्तातिसार में शल्लकी, तिनिश, सेमल, प्लक्ष छाल तथा प्रियंगु के चूर्ण को मधु और दूध के साथ सेवन करने से लाभ होता है। इसके अलावा प्रियंगु के फूल और फल का चूर्ण अजीर्ण, दस्त, पेट दर्द और पेचिश में भी कारगर होता है।

यूटीआई की दिक्कतों का सामना कर रहे लोगों को प्रियंगु के पत्तों को पानी में भिगोकर उसका अर्क पीने से लाभ मिलता है। कठिन प्रसव को भी प्रियंगु आसान बना देता है। प्रियंगु की जड़ का पेस्ट नाभि के नीचे लगाने से प्रसव में कॉम्पलिकेशन कम होती है। आमवात या गठिया में इसके पत्ते, छाल, फूल और फल का लेप दर्द से राहत दिलाता है। प्रियंगु कुष्ठ रोग और हर्पिज जैसे चर्म रोगों में भी लाभकारी है।

इसके अलावा, कान और नाक से रक्तस्राव होने की स्थिति में लाल कमल, नील कमल का केसर, पृश्निपर्णी और फूलप्रियंगु से तैयार किए गए जल का सेवन लाभकारी होता है। प्रियंगु, सौवीराञ्जन और नागरमोथा के चूर्ण को मधु के साथ मिलाकर बच्चों को देने से उल्टी, पिपासा और अतिसार में लाभ होता है। यह विषनाशक गुणों से युक्त होता है, इसलिए कीटदंश या विषाक्तता के प्रभाव को कम करने में भी प्रियंगु अत्यंत उपयोगी है।

आयुर्वेद के अनुसार प्रियंगु के पत्ते, फूल, फल और जड़ सबसे अधिक औषधीय गुणों से युक्त होते हैं। किसी भी रोग की स्थिति में इसका प्रयोग करने से पूर्व आयुर्वेदिक चिकित्सक की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। सामान्यतः चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार इसका 1-2 ग्राम चूर्ण सेवन किया जा सकता है।

संपादकीय

ललित चौधरी (संपादक)

आतंकवाद के खिलाफ

पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर बेनकाब करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा गठित सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का पहला समूह बुधवार को विदेश दौरे पर रवाना हो गया। पहलगाम हमले और भारत-पास्तिान सैनिक संघर्ष के बाद विदेशों में प्रतिनिधिमंडल भेजने की कार्रवाई को कूटनीतिक या राजनयिक पहल के रूप में रेखांकित किया जा सकता है। वास्तव में इसका उद्देश्य विश्व समुदाय को भारत की स्थिति से परिचित कराना, पाकिस्तान की प्रायोजित आतंकवाद की काली करतूत बताना और विश्व जनमत को अपने पक्ष में करना है। भारत इस पहल के जरिए आतंकवाद के मसले पर पूरी दुनिया को एकजुट करना चाहता है। इस तरह के राजनयिक प्रयासों से पाकिस्तान पर वैश्विक दबाव बनाकर सीमा पार आतंकवाद को नियंत्रित किया जा सकता है। वैश्विक आतंकवाद ऐसी समस्या है जिसके विरुद्ध को एक देश लड़ाई नहीं लड़ सकता। लोगों को याद रखना चाहिए कि 11 सितम्बर, 2001 को जब अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकवादी हमला हुआ था तब राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी। अमेरिका ने अलकायदा और ओसामा बिन लादेन को खत्म करने के लिए अफगानिस्तान पर हमला करके उसे तबाह कर दिया था। लेकिन क्षोभ इस बात होता है कि अमेरिका और पश्चिमी देश आतंकवाद के मुद्दे पर अलग-अलग नजरिया रखते हैं, जो उनके अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों से प्रेरित हैं। जब अमेरिका और पश्चिमी देशों पर आतंकवादी हमले होते हैं तो उन्हें खत्म करने के लिए वे किसी भी सीमा तक चले जाते हैं, लेकिन जब गैर-पश्चिमी देशें पर आतंकवाद का कहर फूटता है तो खामोश हो जाते हैं। भारत तो दशकों से सीमा पार आतंकवाद से पीड़ित है। अनेकों बार भारत ने पाकिस्तान के आतंकवाद में संलिप्त होने का पुख्ता प्रमाण भी दिया है, लेकिन विश्व समुदाय कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर सका है। पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का केंद्र है। पूरी दुनिया जानती है। इसके बावजूद अमेरिका उसे आर्थिक मदद और व्यापारिक रिश्ते बनाए रखता है। याद रखना चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में विश्व समुदाय का सहयोग बहुत महत्त्व रखता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के विदेश दौरे से अमेरिका और पश्चिमी देश आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में एकजुटता दिखाएंगे।

चिंतन मनन

संकल्प और साहस

खेल की कक्षा शुरू हुई तो एक दुबली-पतली अपंग लड़की किसी तरह अपनी जगह से उठी। वह खेलों के प्रति जिज्ञासा प्रकट करते हुए शिक्षक से ओलिंपिक रेकॉड्र्स के बारे में सवाल पूछने लगी। इस पर सभी छात्र हंस पड़े। शिक्षक ने भी व्यंग्य किया- तुम खेलों के बारे में जानकर क्या करोगी। अपने ऊपर कभी नजर डाली है? तुम तो ठीक से खड़ी भी नहीं हो सकती, फिर ओलिंपिक से तुम्हें क्या मतलब है? तुम्हें कौन सा खेलना है जो यह सब जानोगी। चुपचाप बैठकर सुनो।

रुआंसी लड़की कुछ कह न सकी। सारी क्लास उस पर हंसती रही। अगले दिन जब खेल पीरियड में उसे बाकी बच्चों से अलग बिठाया गया तो उसने कुछ सोचकर बैसाखियां संभालीं और दृढ़ निश्चय के साथ बोली-सर याद रखिएगा। अगर लगन सच्ची हो और इरादे बुलंद हों तो सब कुछ संभव है। आप देखना एक दिन यही लड़की हवा से बातें करके दिखाएगी। उसकी इस बात से भी ठहाका गूंज उठा। सबने इसे मजाक के रूप में लिया। लेकिन वह लड़की तेज चलने के अभ्यास में जुट गई। वह अच्छी और पौष्टिक खुराक लेने लगी, फिर वह कुछ दिनों में दौड़ने भी लगी। कुछ दिनों के बाद उसने छोटी-मोटी दौड़ में भाग लेना भी शुरू कर दिया। उसे दौड़ते देख लोग दांतों तले उंगली दबा लेते थे। फिर कई लोग उसकी मदद को आगे आए। सबने उसका उत्साह बढ़ाया। उसके हौसले बुलंद होने लगे। फिर उसने 1960 के ओलिंपिक में हिस्सा लिया और तीन स्वर्ण पदक जीतकर सबको हतप्रभ कर दिया। ओलिंपिक में इतिहास रचने वाली वह थी अमेरिकी धाविका विल्मा रुडोल्फ।

चिंतन: ईमानदारी कराह रही है, अच्छाई बिलख रही है

नरेन्द्र भारती

ईमानदारी कराह रही है। अच्छाई बिलख रही है, भाईचारा, सहयोग,मदद एक अंधेरे कमरे में सिमट गये हैं। आत्मा सिसक रही है। वर्तमान में अच्छे व संस्कारवान मनुष्य की कोई गिनती नहीं है।

चोर उच्चकों ,गुंडे ,मवालिओं का आदर सत्कार किया जाता है यह समाज के घातक है 'आज हंस भीड में खोते जा रहे हैं,कौओं को मंच मिल रहा है। हजारों कंस पैदा हो रहे हैं एक कृष्ण कुछ नहीं कर सकता। आज कतरे भी खुद को दरिया समझने लगे है लेकिन समुद्र का अपना आस्तित्व है। मानव आज दानव बनता जा रहा है। संवेदनाएं दम तोड रही हैं ईश्वर की चक्की जब चलती है तो वह पाप व पापी को पीस कर रख देती है 'इन्सानियत व मानवता सबसे बड़ा धर्म है। कहते हैं दुनिया में कोई ऐसी शक्ति नहीं है जो इनसान को गिरा सके ,इनसान ,इनसान द्वारा ही गिराया जाता है। दुनिया में ऐसा नहीं है कि सभी लोग बुरे हैं ,इस जगत में अच्छे-बुरे लोगों का संतुलन है। आज संस्कारों का चीरहरण हो रहा है ,खूनी रिश्ते खून बहा रहे हैं। मानवीय त्रासदी को रोकना होगा ' इंसानियत अपनाओ अमर हो जाओगे हैवानियत छोड़ दो इंसान बनो हैवान मत बनो ' इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है बेशक ईश्वर ने संसार में करोडों जीव जन्तु बनाए ,लेकिन इनसान सबसे अहम कृति बनाई। लेकिन ईश्वर की यह कृति पथभ्रष्ट हो रही है। आज सड़को पर आदमी तड़फ-तड़फ कर मर रहा है। इनसान पशु से भी बदतर होता जा रहा है। क्योकि यदि पशु को एक जगह खूंटे से बांध दिया जाए,तो वह अपने आप को उसी अवस्था में ढाल लेता है। जबकि मानव परिस्थितियों के मुताबिक गिरगिट की तरह रंग बदलता है।आज पैसे का बोलबाला है। मानव आज लापरवाही से जंगलों में आग लगा रहा है उस आग में हजारों जीव-जन्तु जलकर राख हो रहे हैं। जंगली जानवर शहरों की ओर भाग रहे हैं ,जबकि सदियां गवाह है कि शहरों व आबादी वाले इलाकों में कभी नहीं आते थे ,मगर जब मानव ने जानवरों का भोजन खत्म कर दिया।

जीव-जन्तओं को काट खाया तो जंगली जानवर भूख मिटाने के लिए आबादी का ही रूख करेंगें। नरभक्षी बनेगें। आज संवेदनशीलता खत्म होती जा रही है। आज मानव मशीन बन गया है निजी स्वार्थो के आगे अंधा हो.चुका है।अपने ऐशो आराम में मस्त है।दुनिया से कोई लेना देना नहीं है। संस्कारों का जनाजा निकाला जा रहा है। मयार्दाएं भंग हो रही हैं। मानव सेवा परम धर्म है। आज लोग भूखे प्यासे मर रहे हैं। दो जून की रोटी के लिए तरस रहे हैं। भूखमरी इतनी है कि शहरों में आदमी व कुते लोगों की फैंकी हुई जूठन तक एक साथ खाते हैं।आज मानव भगवान को न मानकर मानव निर्मित तथाकथित भगवानों को मान रहा है। आज मानव इतना गिर चुका है कि रिश्ते नाते भूल चुका है। रिश्तों में संक्रमण बढता जा रहा है। मानव धरती के लिए खून कर रहा है। कई पीढियां गुजर गई मगर आज तक न तो धरती किसी के साथ गई न जाएगी। फिर यह नफरत व दंगा फसाद क्यों हो रहा है। मानव ,मानव से भेदभाव रि रहा है। उंच-नीच का तांडव हो रहा है। खून का रंग एक है फिर भी यह भेदभाव क्यों। यह बहुत गहरी खाई है इसे पाटना सबसे बडा धर्म है। आज लोग बिलासिता पर हजारों -लाखों रुपए पानी की तरह बहा देते हैं ,मगर किसी भूखे को एक रोटी नहीं खिला सकते। शराब पर पैसा उडा रहे हैं। अनैतिक कार्यो से पैसा कमा रहे हैं। पैसा पीर हो गया है। भूखे को यदि रोटी दे दी जाए तो भूखे की आत्मा की तृप्ति देखकर जो आनन्द प्राप्त होगा वह सच्चा सुख है। आज प्रकृति से छेडछाड हो रही है। प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता। प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती ,प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा दे रही है। मानव कृतध्न बनता जा रहा है। मंदिरों में दुष्कर्म हो रहे है। आज मानव स्वार्थ की पट्टी के कारण अंधा होता जा रहा है। गाय पर अत्याचार हो रहा है। मानवीय मूल्यों का पतन होता जा रहा है। नफरत को छोड देना चाहिए। प्रत्येक मनुष्य की सहायता करनी चाहिए। भगवान के पास हर चीज का लेखा -जोखा है।

कोरोना वायरस के प्रकोप की भारत सहित विश्व में फिर से आहट

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का हर देश अभी तक कोरोना वायरस (कोविड-19) की महामारी को भूल नहीं पाए है, या यूं कहें कि संभल नहीं पाए हैं, इस बीच कोरोना महामारी के अनेक वेरिएंट आ चुके हैं, लेकिन अभी मई माह में जो फिर से कोरोना वायरस की आहट हुई है यह कोविड -19 तुल्य है, ऐसी जानकारी मीडिया में आ रही है हालांकि इसका अधिक प्रकोप अभी खासकर हांगकांग सिंगापुर थाईलैंड में स्थिति चिंताजनक होती जा रही है क्योंकि संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में भी 19 मई 2025 तक 257 केस आ चुके हैं, जिससे शासन प्रशासन स्वास्थ्य विभाग पूरी तरहसे अलर्ट मोड में आ गए हैं, हालांकि सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियां कोरोना की इस आहट को हल्के में लेने के मूड में नहीं हैं, सोमवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग बुलाई जिसमें एनसीडीसी, आईसीएमआर, डिसास्टर मैनेजमेंट सेल और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों ने भाग लिया, मीटिंग के बाद अधिकारियों ने बताया कि देश में कोविड की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, भारत का इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम और आईसीएमआर के नेतृत्व में चल रहे जीनोम सीक्वेंसिंग कार्यक्रम लगातार कोरोना और अन्य श्वसन संक्रमणों पर नजर बनाए हुए हैं, मंत्रालय ने साफ किया है कि फिलहाल यह चिंता की बात नहीं है, लेकिन सतर्कता जरूरी है, देश की स्वास्थ्य व्यवस्थाकिसी भी संभावित संक्रमण की लहर से निपटने के लिए तैयार है, परंतु इस बीच दिनांक 20-21मई 2025 की मध्यरात्रि में जिनेवा में चल रहे विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्व स्वास्थ्य सभा 19, से 27 मई 2025 के 78 वें सत्र में सभा के सभी सदस्यों की आपसी 3 वर्षों की बातचीत के उपरांत भविष्य की महामारी में मिलकर तैयारी करने का समझौता हो गया है, जो रेखांकित करने वाली बात है मेरा मानना है कि अब पूरी दुनियाँ की कोई भी महामारी आ जाए तो अगर पूरा विश्व एक साथ एक दूसरे का सहयोग कर उसका मुकाबला करेगा तो वह कोविड-19 जैसी किसी भी महामारी का गंभीरता से मुकाबला करेगा तो उस महामारी को मैदान छोड़कर भागना ही पड़ेगा यह होता है एक और एक 11 की ताकत का सटीक कमाल! चूँकि कोरोना महामारी कोविड -19 के प्रभाव की आहट फिर भारत सहित कुछ देशों में हो चुकी है, व तीव्रता से संक्रमण शुरू हो गया है तथा विश्व स्वास्थ्य सभा के 78 वें सत्र में भविष्य की महामारियों से एक जुट से लड़ने का ऐतिहासिक समझौता अब हो चुका है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इसआर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वैश्विक स्तरपर मास्क सैनिटाइजर की फिर आदत फिर डालना, भीड़भाड़ वाली जगह व किसी भी अपवाह या डर का शिकार न होना सभी के लिए जरूरी है।

साथियों बात अगर हम कोविड -19 महामारी के भारत में पैर पसारने की करें तो, हालांकि भारत में अभी मामलों की संख्या कम है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो ट्रेंड दिख रहा है, वह चिंताजनक है। अगर सही समय पर कदम नहीं उठाए गए, तो भारत भी इस नई लहर की चपेट में आ सकता है, विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में टीकाकरण का प्रभाव अब कम होने लगा है, बूस्टर डोज की जरूरत एक बार फिर बढ़ गई है, लेकिन लोग इसमें ढिलाई बरत रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है बच्चों बुजुर्गों, 65 साल से ऊपर के लोगों, और जिनकी इम्युनिटी पहले से कमजोर है, उन्हें यह संक्रमण तेजी से पकड़ सकता है, साथ ही मौसमी बदलाव, सामाजिक मेल जोल और अंतरराष्ट्रीय यात्रा भी इसके प्रसार को बढ़ावा दे रहे हैं अभी हुई बैठक में नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, इमरजेंसी मेडिकल रिलीफ डिवीजन, डिजास्टर मैनेजमेंट सेल, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञ मौजूद थे आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बैठक में यह निष्कर्ष निकाला गया न कि भारत में कोविड-19 स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। सूत्र ने बताया, 19 मई 2025 तक भारत में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या 257 है। देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत आंकड़ा कम है। इनमें से लगभग सभी मामले ज्यादा गंभीर नहीं हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत भी नहीं है। हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि बढ़ते मामलों को देखते हुए व्यापक तैयारी की जाए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक भारत में 12 मई से अब तक 164 मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे अधिक 69 मामले, तो वहीं महाराष्ट्र में 44 और तमिलनाडु में 34 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा कर्नाटक में कोविड-19 के 8 नए मामले, गुजरात में 6 और दिल्ली में 3 मामले सामने आए। हरियाणा, राजस्थान और सिक्किम में एक-एक नया मामला सामने आया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक है। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपातकालीन चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों की समीक्षा बैठक बुलाई गई, बैठक में निष्कर्ष निकाला गया कि भारत में वर्तमान कोविड-19 स्थिति नियंत्रण में है. 19 मई, 2025 तक, भारत में सक्रिय कोविड-19 मामलों की संख्या 257 है, जो देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत कम आंकड़ा है, इनमें से लगभग सभी मामले हल्के हैं, जिनमें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियां कोरोना की इस आहट को हल्के में लेने के मूड में नहीं हैं, मीटिंग के बाद अधिकारियों ने बताया कि देश में कोविड की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है. भारत का इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम और आईसीएम आर के नेतृत्व में चल रहे जीनोम सीक्वेंसिंग कार्यक्रम लगातार कोरोना और अन्य श्वसन संक्रमणों पर नजर बनाए हुए हैं, मंत्रालय ने साफ किया है कि फिलहाल यह चिंता की बात नहीं है, लेकिन सतर्कता जरूरी है, देश की स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी संभावित संक्रमण की लहर से निपटने के लिए तैयार है। अगर फ्लू जैसे लक्षण हों तो टेस्ट कराएं, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, मास्क और सैनिटाइजर की आदत फिर से डालें, खासकर भीड़भाड़ वाली जगहों पर, किसी भी अफवाह या डर का शिकार न बनें, लेकिन सतर्क जरूर रहें।

साथियों बात अगर हम सिंगापुर हांगकांग थाईलैंड में कोरोना वायरस (कोविड-19) के अति तीव्रता से संक्रमण की करें तो, कोरोना वायरस एक बार फिर डराने लगा है, ऐसा लग रहा है कि कुछ समय की राहत के बाद वायरस फिर से पैर पसारने लगा है, एशिया के कई देशों मेंकोविड के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, खासकर हांगकांग, सिंगापुर और थाईलैंड में स्थिति चिंताजनक होती जा रही है. इन देशों में संक्रमितों की संख्या में तेज इजाफा हुआ है और अस्पतालों में भर्ती होने वालों की संख्या भी बढ़ रही है. भारत में भी नए मामलों को लेकर चिंता गहराने लगी है. विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अभी से सतर्कता नहीं बरती गई, तो स्थिति और बिगड़ सकती है सिंगापुर में कोविड-19 के मामलों 28 परसेंट की वृद्धि दर्ज की गई है, हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि सरकार ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है यहां कोविड -19 के कुल अनुमानित केस 14, 200 तक पहुंच गए हैं, इससे ज्यादा गंभीर बात यह है कि अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में भी लगभग 30 परसेंट का इजाफा हुआ। 5 मई से 11 मई के बीच सिंगापुर में 25, 900 नए केस सामने आए, इसी अवधि में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की औसत दैनिक संख्या 181 से बढ़कर 250 हो गई है. विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले 2 से 4 हफ्तों में यह लहर अपने चरम पर पहुंच सकती है। हांगकांग में कोविड-19 संक्रमण की नई लहर शुरू हो चुकी है, यहां स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अब तक 81 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 30 लोगों की मौत हो चुकी।

साथियों बात अगर हम डब्लूएचओ के विश्व स्वास्थ्य सभा के 78 वें सत्र में समझौतों की करें तो, विश्व स्वास्थ्य सभा ने भविष्य की महामारियों के लिए तैयार रहनें के लिए ऐतिहासिक समझौता अपनाया, विश्व का पहला महामारी समझौता मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य सभा के सदस्य देशों द्वारा औपचारिक रूप से अपनाया गया, जो वर्तमान में जिनेवा में चल रहा है, ठन की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था 78 वें विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह ऐतिहासिक निर्णय कोविड-19 महामारी के विनाशकारी प्रभाव के जवाब में सरकारों द्वारा तीन साल से अधिक समय तक की गई बातचीत के बाद आया है, और इसका उद्देश्य भविष्य की महामारियों से दुनिया को सुरक्षित बनाना और उनके जवाब में अधिक न्यायसंगत बनाना है, ऐसा डब्ल्यूएचओ ने कहा। यह महत्वपूर्ण समझौता ऐसे समय में हुआ है जब सिंगापुर और हांगकांग सहित अन्य देशों में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि की खबरें आ रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 103 रेलवे स्टेशनों व 26 हजार करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ

विनोद कुमार सिंह

अमृत भारत योजना केवल इमारतों की मरम्मत नहीं है, बल्कि यह पूरे यात्रा अनुभव को बदलने का एक प्रयास है।इस बदलाव से स्थानीय व्यवसाय, पर्यटन, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

राजा व महाराजाओ की ऐतिहासिक नगरी राजस्थान। जिसकी गौरवशाली इतिहास से हम व आप भली भाँति परिचित है। उसी राजस्थान के ऐतिहासिक शहर बीकानेर शहर में एक सार्वजनिक समारोह मे वर्चुअल माध्यम से देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया।ये स्टेशन 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत आधुनिक रूप से पुनर्निर्मित किए गए हैं। जिनमें तेलंगाना में बेगमपेट रेलवे स्टेशन काकतीय साम्राज्य की वास्तुकला से प्रेरित है। बिहार में थावे स्टेशन में 52 शक्तिपीठों में से एक माँ थावेवाली का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न भित्ति चित्र और कलाकृतियां शामिल हैं और यहां मधुबनी पेंटिंग को दशार्या गया है। गुजरात में डाकोर स्टेशन रणछोड़राय जी महाराज से प्रेरित है।

सर्वविदित रहे कि इस योजना का उद्देश्य भारतीय रेलवे के आधारभूत ढांचे को वैश्विक मानकों के अनुकूल व अनुरूप बना कर यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सर्व विदित रहे कि ये 103 स्टेशनों को लगभग 1100 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है।जो देश के 86 जिलों में फैले हुए हैं,जिनमें आंध्रप्रदेश,असम, बिहार,छत्तीसगढ़, गुजरात,हरियाणा हिमाचल प्रदेश,झारखंड, कर्नाटक, केरल,मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र,पुडुचेरी, राजस्थान,तमिलनाडु,तेलंगाना,उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं। ये स्टेशन न सिर्फ यात्री सुविधाओं के लिहाज से उन्नत किए गए हैं,बल्कि उनमें क्षेत्रीय संस्कृति, स्थानीय वास्तुकला और पर्यावरणीय मानकों का विशेष ध्यान रखा गया है। राजस्थान के बीकानेर ज़िले के देशनोक से एक विशाल जनसभा को संबोधित करते मोदी ने कहा कि यह कार्यक्रम आधुनिक भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।रेलवे स्टेशन किसी भी शहर के पहले प्रभाव का हिस्सा होते हैं और यह जरूरी है कि वे नए भारत की पहचान बने। अमृत भारत योजना केवल इमारतों की मरम्मत नहीं है, बल्कि यह पूरे यात्रा अनुभव को बदलने का एक प्रयास है स्थानीय व्यवसाय,पर्यटन,रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।भारत अब तेज गति से इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में काम कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में छह गुना अधिक राशि इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर खर्च की गई है। आज रेलवे में वंदे भारत,अमृत भारत और नमो भारत जैसी

आधुनिक ट्रेनें देश की नई रफ्तार और प्रगति का प्रतीक बन चुकी हैं। ब्रॉड गेज ट्रैक पर बिना फाटक वाली क्रॉसिंग अब इतिहास बन चुकी हैं और अब पूरा रेल नेटवर्क सुरक्षित, तेज और आधुनिक हो रहा है। इन स्टेशनों के डिजाइन में साफ-सफाई, दिव्यांगजनों के लिए सुविधा, पर्यावरणीय सुरक्षा,सौर ऊर्जा,जल संरक्षण और ग्रीन बिल्डिंग जैसे आयामों को भी जोड़ा गया है।हर स्टेशन की पहचान वहां की संस्कृति और परंपरा से जोड़कर बनाई गई है।इससे न केवल यात्रियों को एक नया अनुभव मिलेगा,बल्कि रेलवे देश की सांस्कृतिक विविधता का भी प्रतीक बनकर उभरेगा।भारत आज आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और रेलवे के आधुनिकीकरण में भी यह आत्म निर्भरता झलक रही है। अमृत भारत स्टेशन योजना न केवल एक निर्माण योजना है,बल्कि यह भारत की नई सोच और दूरदृष्टि का प्रतीक भी है।भारतीय रेलवे के इस कायाकल्प से आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक और सामाजिक गति को नई ऊंचाई मिलेगी। विगत11 वर्षों में सड़कों, हवाई अड्डों, रेलवे और रेलवे स्टेशनों में हुई तीव्र प्रगति की चर्चा की। उन्होंने परियोजनाओं की चर्चा करते हुए उत्तर में उल्लेखनीय चिनाब ब्रिज,अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग और पूर्व में असम में बोगीबील ब्रिज का पश्चिमी भारत में,मुंबई में अटल सेतु दक्षिण में,भारत के अपनी तरह के पहले पंबन ब्रिज की चर्चा की।रेलवे नेटवर्क को आधुनिक बनाने के भारत के निरंतर प्रयासों पर बल देते हुए देश की नई गति और प्रगति के प्रतीक के रूप में वंदे भारत,अमृत भारत और नमो भारत रेलों के शुरूआत का उल्लेख किया।उन्होंने कहा कि अब लगभग 70 मार्गों पर वंदे भारत रेल चल रही हैं और इनसे दूरदराज के क्षेत्रों में आधुनिक रेल संपर्क स्थापित हो रहा हैं।आज सैकड़ों सड़क ओवरब्रिज और अंडरब्रिज के निर्माण के साथ ही 34,000 किलोमीटर से अधिक नई रेलवे पटरियां बिछाना शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रॉड गेज लाइनों पर मानव रहित लेवल क्रॉसिंग को समाप्त कर दिया गया है,जिससे सुरक्षा में वृद्धि हुई है। कार्गो परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए समर्पित माल गलियारों के तेजी से विकास और भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के वर्तमान में जारी निर्माण का भी उल्लेख किया। इन प्रयासों के साथ-साथ,यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकी करण किया जा रहा है। इन रेलवे स्टेशनों का नाम अमृत भारत स्टेशन रखा गया है और ऐसे 100 से अधिक स्टेशनों का निर्माण पूरा हो चुका है। स्थानीय कला और इतिहास के प्रदर्शन के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने राजस्थान के मंडलगढ़ स्टेशन सहित महत्वपूर्ण उदाहरणों पर चर्चा की जो राजपूत परंपराओं की भव्यता को दशार्ता के साथ-साथ बिहार का थावे स्टेशन,मधुबनी कलाकृति के साथ माँ थावेवाली की पवित्र उपस्थिति को दशार्ता है।मध्य प्रदेश का ओरछा रेलवे स्टेशन भगवान राम के दिव्य सार को दशार्ता है,जबकि श्रीरंगम स्टेशन का डिजाइन श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर से प्रेरणा लेता है।गुजरात का डाकोर स्टेशन रणछोड़राय जी को श्रद्धांजलि देता है,तिरुवन्नामलाई स्टेशन द्रविड़ वास्तुकला सिद्धांतों का पालन करता है और बेगमपेट स्टेशन काकतीय राजवंश की वास्तुकला विरासत का प्रतीक है।ये अमृत भारत स्टेशन न केवल भारत की हजारों वर्ष पुरानी विरासत को संरक्षित करते हैं,बल्कि राज्यों में पर्यटन विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य करते हैं,जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों का सृजन होता है।उन्होंने लोगों से स्टेशनों की स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।हजारों करोड़ रुपये सीधे तौर पर श्रमिकों,दुकानदारों, कारखाने के कर्मचारियों और ट्रक एवं टेम्पो ऑपरेटरों जैसे परिवहन क्षेत्रों से जुड़े लोगों को लाभ पहुंचा रहे हैं।अच्छी तरह से विकसित सड़कें और विस्तारित रेलवे नेटवर्क नए उद्योगों को आकर्षित करते हैं और पर्यटन को काफी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे पर खर्च से अंततः हर घर को लाभ होता है, जिसमें युवा लोग उभरते आर्थिक अवसरों से सबसे अधिक लाभान्वित होते हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज इसी क्रम मे चुरू- सादुलपुर रेल लाइन(58 किमी) की आधारशि स्वास्थ्य सेवाओं और पानी की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए पूरे राजस्थान में 25 महत्वपूर्ण राज्य सरकार की परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया

स्वामी/ मुद्रक/ प्रकाशक एवं संपादक ललित चौधरी ने वैकुंठ मीडिया प्रा० लि०, 285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर, 02, अटौर, राजनगर एक्सटेंशन, पोस्ट-अटौर, गाजियाबाद (201003) उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया।
(RNI NO: UPHIN2023/88802) संपर्क सूत्र - 8527848454 / 6284195503 (नोट : समस्त वाद विवाद हेतु न्यायिक क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय होगा।)

जापान को पछाड़कर भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी में: रिपोर्ट

भारत के इंडस्ट्रियल और सर्विस सेक्टर से जुड़े कई इंडिकेटर अप्रैल में भी अच्छी रफ्तार में रहे

नई दिल्ली।

दुनिया भर में वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का माहौल देखा जा रहा है लेकिन इसी माहौल में भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की अप्रैल महीने की स्टेट ऑफ द इकोनॉमी रिपोर्ट के अनुसार भारत के इंडस्ट्रियल और सर्विस सेक्टर से जुड़े कई इंडिकेटर अप्रैल में भी अच्छी रफ्तार में रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी टैरिफ से जुड़ी खबरों के कारण अप्रैल की शुरुआत में घरेलू शेयर बाजार थोड़ा कमजोर हुआ था। लेकिन जैसे ही अमेरिका ने अपने कुछ टैक्स फैसलों को अस्थायी तौर पर रोका और भारत में जनवरी-मार्च तिमाही में बैंकिंग और फाइनेंस कंपनियों के अच्छे नतीजे आए, शेयर बाजार ने अच्छी रिकवरी दिखाई।

रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक अर्थव्यवस्था की तस्वीर अब भी धुंधली है क्योंकि दुनियाभर में पॉलिसी में बदलाव हो रहे हैं और कई जोखिम बने हुए हैं।

लेकिन भारत की स्थिति को लेकर रिपोर्ट आशावादी है। अप्रैल 2025 में आई आईएमएफ की ताज़ा रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि भारत 2025 में दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा और इस साल जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार देश में महंगाई में काफी राहत देखी गई है और यह 2025-26 में तय लक्ष्य के आसपास टिक सकती है। रबी फसल अच्छी होने और इस साल सामान्य से बेहतर मानसून की उम्मीद से गांवों में खपत बढ़ेगी और खाने-पीने की चीज़ों की महंगाई भी नियंत्रण में रह सकती है।

अमेरिका में चीनी खिलौने लाबुबू की मांग 900 फ़ीसदी बढी

न्यूयॉर्क।

अमेरिका में चीन का खिलौना जिसे लाबुबू के नाम से जाना जाता है। अमेरिका की सरकार द्वारा भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद भी इस खिलौने की मांग जिन प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है। इस छोटे से खिलौने की बिक्री 900 फ़ीसदी बढ़कर 41 करोड़ डॉलर पर पहुंच गई है। भारतीय मुद्रा में लगभग 3500 करोड रुपए होता है। इस खिलौने का निर्यात चीन से हो रहा है। यह खिलौना अलग-अलग कॉस्ट्यूम में आता है। इसकी आंख गुस्से में लाल दिखती है इसकी मुस्कान भी डरावनी होती है। इसके बाद भी अमेरिकन परिवारों में इस खिलौने की मांग बढ़ती ही जा रही है। यह खिलौना बच्चों के साथ-साथ युवाओं और सेलिब्रिटीज के बीच में भी स्टेटस सिंबल बन गया है। इस खिलौने की कीमत अमेरिका में 85 डॉलर की है। भारतीय मुद्रा में लगभग 7300 रूपये होती है। इस खिलौने पर टैरिफ बार का कोई असर नहीं पडा है। चीन में निर्मित यह खिलौना द मॉन्स्टर्स स्टोरी बुक से प्रेरित है।

दुबई से सोना आयात हुआ महंगा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने सोने और चांदी के आयात पर नए नियम लागू किए हैं। नए नियम के अनुसार अब केवल कुछ खास एजेंसियां तथा पंजीकृत ज्वेलर्स ही सोना और चांदी दुबई से आयात कर सकेंगे। भारत सरकार ने यह कदम इंडिया-यूएई कंप्रिहेंसिव इकोनामिक पार्टनरशिप समझौते के तहत कार्रवाई की है। कुछ आयातक इस समझौते का गलत फायदा उठा रहे थे। दुबई से 99 फ़ीसदी शुद्ध सोना मंगवा रहे थे। उसे मिश्रित धातु का बताकर कस्टम ड्यूटी की चोरी कर रहे थे। केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए सोना आयात करने का कोटा तय कर दिया है। भारत सरकार 180 टन सोना यूएई से आयात करेगी। समझौते के तहत रियायती दर पर कोटा तय हुआ था। सरकार को इस सीमा से ज्यादा सोना आयात करने के आवेदन प्राप्त हुए हैं। सरकार ने 1400 आवेदन खारिज किए हैं। पिछले साल की तुलना में इस साल आवेदकों की संख्या 253 फ़ीसदी बढ़ गई है।

ग्रॉसरी और सब्जियां डिलीवर करने वाली ऐप बंद

- यूजर्स के हजारों रुपए फंसे

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में फल-सब्जियों और ग्रॉसरी की ऑनलाइन डिलीवरी के लिए लोकप्रिय ओ टिपी एप्प अब बंद हो गई है, जिससे ग्राहकों में उथल-पुथल मच गई है। कई यूजर्स ने शिकायत की है कि ऐप ने बिना किसी सूचना के अपना संचालन बंद कर दिया, जिससे उनके वॉलेट में हजारों रुपये अटक गए हैं। कई यूजर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आरबीआई और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को टैग करते हुए जवाब मांगा है। ओ टिपी एप्प के प्रीपेड पेमेंट वॉलेट और सामान मंगवाने की सुविधा के बंद हो जाने से ग्राहकों को काफी परेशानी हो रही है।

ओएनजीसी के तिमाही लाभ में 35 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने जनवरी-मार्च तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 35 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। इसके बावजूद ओएनजीसी ने तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में सुधार किया और वित्त वर्ष 2024-25 में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए। कंपनी ने इस तिमाही में 6,448 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कम है। कंपनी ने कच्चे तेल के उत्पादन में कमी देखी और पेट्रोल और डीजल के दामों में भी गिरावट आई। प्राकृतिक गैस का उत्पादन भी गिरा, जो इस तिमाही में 4.893 अरब बीसीएम रहा। अन्य साधनों के साथ, यह गैस बिजली और उर्वरक के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

बेंगलुरु में 15,000 सीट वाला एसएपी का नया उत्कृष्टता केंद्र अगस्त में खुलेगा

ऑरलैंडो।

जर्मनी की तकनीकी कंपनी एसएपी ने इस साल अगस्त में बेंगलुरू में एक नया उत्कृष्टता केंद्र खोलने की योजना घोषित की है। यह केंद्र 15,000 सीटों की विशाल क्षमता वाला होगा और भारत में बढ़ती कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। इसके जरिए कंपनी भारत में अपनी पहचान मजबूत करना चाहती है। एसएपी के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य और कंपनी के उत्पाद एवं इंजीनियरिंग प्रमुख ने बताया कि नया केंद्र एसएपी सफायर 2025 के रूप में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से कंपनी भारत में एक बड़े उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना करने जा रही है। नया केंद्र भारत के पोष्प बेंगलुरू के देवनहल्ली में लगेगा और एसएपी लैब्स इंडिया के दूसरे परिसर के रूप में कार्य करेगा। एसएपी लैब्स इंडिया में अब 15,000 अतिरिक्त लोग काम करेंगे। मुख्य रूप से व्यापारिक क्षेत्रों में काम करने वाली एसएपी लैब्स इंडिया ने बताया कि उन्हें भारत के बढ़ते बाजार में अपना प्रभाव बढ़ाना है। वह कई क्षेत्रों में कारोबार कर रहे हैं और इस नए केंद्र से उनकी मौजूदगी मजबूत होगी।

भारत-अमेरिका के बीच हो सकता है 8 जुलाई से पहले अंतरिम व्यापार समझौता

भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अतिरिक्त 26 प्रतिशत टैरिफ से पूरी छूट की मांग

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच 8 जुलाई से पहले अंतरिम व्यापार समझौते का ऐलान होने की उम्मीद है। दोनों देश व्यापारिक तनाव कम करने के लिए ट्रेड डील पर चर्चा कर रहे हैं। भारत सरकार अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अतिरिक्त 26 प्रतिशत टैरिफ से पूरी छूट की मांग कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि भारत सरकार, अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अतिरिक्त 26 प्रतिशत टैरिफ से पूरी छूट की मांग कर रही है. दरअसल, अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था लेकिन बाद में इसे 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिया था, जो 9 जुलाई तक प्रभावी है. हालांकि, आधारभूत 10 प्रतिशत टैरिफ अभी भी लागू है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल वॉशिंगटन में अपने अमेरिकी समकक्ष हावर्ड लुटनिक के साथ दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के चरण पर चर्चा करने के लिए वहां थे। भारत की यह ट्रेड डील कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करने के लिए है, साथ ही कपड़ा, चमड़ा, और लेबर-गहन उद्योगों को भी टैरिफ राहत की मांग है। अमेरिकी प्रशासन को यूएस कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता है अमेरिकी नीचे टैरिफ को कम करने के लिए, लेकिन वह पारस्परिक टैरिफ को हटा सकता है। उम्मीद है कि दोनों देश 8 जुलाई से पहले एक सकारात्मक अंतरिम डील पर सहमत होंगे।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 644 , निफ्टी 203 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 644.64 अंक तकरीबन 0.79 फीसदी नीचे आकर 80,951.99 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 203.75 अंक तकरीबन 0.82फीसदी नीचे आकर 24,609.70 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार में बड़ी गिरावट रही थी। आज सेंसेक्स के ज्यादातर स्टॉक्स नीचे आये। सेंसेक्स की 30 में से केवल 4 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आये। वहीं 25 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए जबकि एक कंपनी के शेयर में बदलाव नहीं रहा। दूसरी ओर निफ्टी की केवल 11 कंपनियों के शेयरों में ही बढ़त रही। इसके अलावा 39 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडसइंड बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.73 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में भी 2.27 फीसदी की गिरावट रही। टेक महिंद्रा, आईटीसी, बजाज फिनसर्व के शेयर भी गिरे।

इनके अलावा, आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल आईटीसी , बजाज फिनसर्व , पावरग्रिड मारुति सुजुकी ,हिंदुस्तान यूनिलीवर ,नेस्ले इंडिया , एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज , टीसीएस , इंफोसिस ,टाटा मोटर्स के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए जबकि भारती एयरटेल अल्ट्राटेक सीमेंट , एटरनल (जोमेटो) के शेयर तेजी के साथ बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी और

आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों में गिरावट ने बाजार को नीचे खींचा। सेंसेक्स 270 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 81,323 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी गिरावट के साथ 24,733.95 अंक पर खुला। बाद में इसमें गिरावट बढ़ गई और यह 270.55 अंक गिरकर 24,542.90 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में गिरावट आई। यह वॉल स्ट्रीट में कमजोरी के चलते आई। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.5 फीसदी नीचे था, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.3फीसदी गिरावट में था। कोस्पी में 0.59 फीसदी और एएसएक्स 200 में 0.36 फीसदी की गिरावट आई। अमेरिकी इक्विटी बाजार में बुधवार को बिकवाली के सेंटीमेंट्स ने भारी नुकसान पहुंचाया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.91 फीसदी की गिरावट आई। एसएंडपी 500 में 1.61 फीसदी की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 1.41 फीसदी की गिरावट आई।

सोना 96,200 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी 100,000 के करीब

मुंबई।

सोने-चांदी के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने के भाव 96,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 99,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै श्विक बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। गुरुवार को सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 615 रुपये की तेजी के साथ 96,214 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,599 रुपये था। इस समय यह 617 रुपये की तेजी के साथ 96,216 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 535 रुपये की तेजी के साथ 98,780 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 98,245 रुपये था। इस समय यह 802 रुपये की तेजी के साथ 99,047 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,318 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

पिछला बंद भाव 3,313.50 डॉलर प्रति औंस था। यह 31.80 डॉलर की तेजी के साथ 3,345.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर

ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.58 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.64 डॉलर था। गुरुवार को यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 33.77 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सीसीपीए ने उबर को एडवांस टिप सुविधा पर जारी किया नोटिस

मंत्री प्रहलाद जोशी ने जताई कड़ी नाराजगी, कहा- यह अनैतिक

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यात्रा सुविधा मुहैया कराने वाली फर्म उबर को उसकी 'एडवांस टिप' सुविधा पर नोटिस जारी किया है। सीसीपीए के क्रियाशील मंत्री प्रहलाद जोशी ने उबर की इस सुविधा को अनैतिक और शोषणकारी बताया है। जोशी ने कहा कि 'एडवांस टिप' सुविधा यात्रा के बाद टिप देने के लिए मजबूर करने की अनैतिक प्रथा है। इसे सराहना के प्रतीक के रूप में देना चाहिए, न कि अधिकार के तौर पर। सीसीपीए ने उबर से स्पष्टीकरण मांगा है और उबर ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया। यह पहली बार नहीं है जब सीसीपीए ने उबर पर नोटिस जारी किया है। प्राधिकरण ने जनवरी में भी उबर और ओला को अलग-अलग दरें वसूलने के लिए नोटिस जारी किया था। दोनों कंपनियों ने इसे नकारा और कहा कि वे समान मूल्य निर्धारण नीति का पालन करते हैं। इस साल जनवरी में प्राधिकरण ने कैब एग्रीगेटर उबर और ओला दोनों को कथित तौर पर उनके मोबाइल फोन ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर समान मार्गों के लिए उपभोक्ताओं से अलग-अलग दरें वसूलने के लिए नोटिस जारी किया था। हालांकि, दोनों प्लेटफार्मों ने ऐसे आरोपों से इनकार करते हुए कहा था कि वे समान मूल्य निर्धारण नीति का पालन करते हैं और आईफोन या एंड्रॉयड फोन का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के बीच कोई अंतर नहीं करते हैं।

सेबी की चिंता: नकली ऐप्स द्वारा निवेशकों के करोड़ों रुपये ठगे जा रहे

निवेशकों को सतर्क रहना जरूरी

नई दिल्ली।

देश में स्टॉक ब्रोकरों और उनके अधिकारियों के नाम का इस्तेमाल करने वाले नकली ऐप्स और वेबसाइटों के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। इससे भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) परेशान है और वह नियमन के दायरे में आने वाली सभी इकाइयों से तुरंत कदम उठाने का आग्रह कर रहा है। मध्यस्थों के साथ हाल ही में एक बैठक में सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है। नियामक मामलों की चिंता को देखते हुए संबंधित निगरानी टीमें मजबूत कर रही हैं। मामलों में निवेशकों के करोड़ों रुपये ठगे जाने की जानकारी संभावित है, लेकिन कुल संख्या और नुकसान के आंकड़े का निर्धारण अभी तक मुश्किल है। उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि इसके लिए कोई स्पष्ट रिकॉर्ड नहीं है। सेबी ने प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है और संभावित फर्जीवाड़े के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तैयार है। निवेशकों को ऐसे फर्जी पोर्टलों से दूर रहने के लिए सतर्क रहना चाहिए। इस बेहतरीन हालत में उन्हें स्टॉक ब्रोकरों के नाम पर धोखा देने वाले अपराधिक खोज भी करनी चाहिए।

सेबी का कहना है कि ऐसे मामलों में देरी नहीं होनी चाहिए और कार्रवाई होनी चाहिए।

प्राथमिकी दर्ज करने से एक कानूनी प्रक्रिया की शुरुआत दर्ज करने में मदद मिलती है और इसके कारण संभावित रूप से गिरफ्तारी करने या फर्जीवाड़े के नेटवर्क को बाधित करने में मदद मिल सकती है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जांच भी संभावित धोखाधड़ी से बचाने में मदद करती है क्योंकि एजेंसियां इस तरह के फर्जीवाड़े के पैटर्न को जान जाती हैं।

दिल्ली के बावली बाजार में ड्राई फ्रूट्स महंगे, मांग में कमी

भारत पाक में जंग का असर, मंडी में ड्राई फ्रूट्स आना बंद

नई दिल्ली।

दिल्ली के मशहूर खारी बावली बाजार में भारत-पाक के बीच उमड़े तनाव का सीधा असर दिखाई देने लगा है। यहां पर ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। एशिया का सबसे बड़ा मेवा बाजार बावली भी इस संकट से झूझ रहा है। व्यापारियों की मानें तो भारत-पाक तनाव के कारण कई बॉर्डर बंद हो गए हैं, जिसके कारण सीमा पार से आने वाले ड्राई फ्रूट्स की आपूर्ति में कमी आ गई है। जिसकी वजह से ड्राई फ्रूट्स की कीमतें 300 से 400 रुपए तक बढ़ गई हैं। व्यापारियों का कहना है कि इस हालत में ड्राई फ्रूट्स की मांग में कमी हो रही है और कीमतें भी तेजी से बढ़ रही हैं। अगले कुछ हफ्तों में यदि बॉर्डर नहीं खुले तो व्यापारियों को और नुकसान हो सकता है। मार्केट में ग्राहकों की कमी के चलते व्यापारी भी बैठे हुए हैं और माल का व्यवस्थापन मुश्किल हो रहा है। कुछ व्यापारी ने बताया कि अब तक 20 फीसदी तक ड्राई फ्रूट्स की कीमतें बढ़ चुकी हैं, जो कि ग्राहकों के लिए एक मुश्किल स्थिति है। इसी बीच ड्राई फ्रूट्स की मात्रा में भी कमी आ रही है, जिसकी वजह से उपलब्ध माल महंगा हो गया है। व्यापारियों का कहना है कि यह स्थिति अभी दो महीने तक ठहर सकती है।

हुंडई क्रेटा और ग्रैंड विटारा बनी ग्राहकों पहली पसंद

नई दिल्ली।

ऑटोमोबाइल बाजार में मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में हुंडई क्रेटा और मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा सबसे अधिक पसंद की जा रही है। क्रेटा की बाजार हिस्सेदारी लगभग 35 प्रतिशत है, जबकि ग्रैंड विटारा की हिस्सेदारी करीब 20 प्रतिशत बताई जाती है। अब मारुति सुजुकी इस सेगमेंट में अपनी पकड़ और मजबूत करने के लिए एक नई एसयूवी लाने की योजना बना रही है, जिसे लेकर काफी उत्सुकता देखी जा रही है। जानकारी के अनुसार, इस नई एसयूवी का कोडनेम वाय 17 रखा गया है। यह कार मारुति की मिड-साइज श्रेणी में आने वाली एक मजबूत दावेदार मानी जा रही है। कंपनी ने हाल ही में 'एस्कुडो' नाम का ट्रेडमार्क कराया है, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि इसी नाम से कार को लॉन्च किया जा सकता है। यह एसयूवी न केवल पारंपरिक पेट्रोल इंजन के साथ आएगी, बल्कि इसमें हाइब्रिड पावरट्रेन का विकल्प भी मौजूद रहेगा। ग्रैंड विटारा की तरह इसमें 1.5-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलने की उम्मीद है, जो 103.6बीएचपी की पावर और 139 एनएम टॉर्क जनरेट करेगा। साथ ही, कार में मैनुअल, ऑटोमैटिक और ई-सीवीटी ट्रांसमिशन विकल्प भी दिए जाएंगे। मारुति की यह नई पेशकश सीधे तौर पर हुंडई क्रेटा, ग्रैंड विटारा और किआ सेल्टोस जैसे मॉडलों को चुनौती देगी। मालूम हो कि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट की मांग तेजी से बढ़ रही है। ग्राहकों के रुझान को देखते हुए कंपनियां इस श्रेणी में अपने उत्पादों को लगातार उतार रही हैं।

भारत में इस साल गेहूं की पैदावार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद

निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की मांग तेज

नई दिल्ली।

भारत में इस साल गेहूं की पैदावार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। गेहूं के लिए सबसे जरूरी समय यानी अनाज भरने के दौरान मौसम अच्छा रहा। इससे फसल की पैदावार बेहतर हो गई है।

भारतीय गेहूं और जौ अनुसंधान संस्थान के अधिकारी ने कहा कि इस बार मौसम अनुकूल रहा और ना ही ओलावृष्टि या किसी बड़ी फसल वाली बीमारी की कोई खबर आई। इसके साथ ही जलवायु को सहने वाले और ज्यादा उपज देने वाले बीजों के इस्तेमाल ने भी उत्पादकता बढ़ाने में मदद की। अब जब फसल अच्छी हो रही है, तो आटा मिल मालिकों ने सरकार से गेहूं उत्पादों के निर्यात पर लगी पाबंदी हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी गोदाम भरे पड़े हैं और निजी व्यापारियों के पास भी पर्याप्त स्टॉक है।

ऐसे में सरकार को गेहूं उत्पादों के निर्यात की इजाजत देनी चाहिए। देशभर में अब गेहूं की कटाई अंतिम चरण में है। अमेरिकी कृषि विभाग का अनुमान है कि भारत में गेहूं का उत्पादन इस साल 117 मिलियन टन तक पहुंच सकता है, जो अब तक का रिकॉर्ड होगा।

इससे देश के पास सीजन के अंत में पिछले चार सालों में सबसे ज्यादा गेहूं स्टॉक रहेगा। भारत में अगर गेहूं का उत्पादन बढ़ा और सरकार ने निर्यात की इजाजत दी, तो इसका असर दुनिया भर में गेहूं की कीमतों पर पड़ सकता है। खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि सरकार की एजेंसी 'भारतीय खाद्य निगम' ने अब तक 29.6 मिलियन टन गेहूं खरीद लिया है, जो पिछले साल से 14 फीसदी ज्यादा है। इस बार कुल सरकारी खरीद 32.5 मिलियन टन तक पहुंच सकती है, जो 22 फीसदी की बढ़त होगी। जोशी ने कहा कि जब सरकार की खरीद पूरी हो जाएगी, तो खाद्य मंत्रालय दूसरे विभागों से मिलकर देश की जरूरतों का आकलन करेगा और उसके बाद यह तय किया जाएगा।

BharatkaBadaltaShasan@Gmail.com
भारत का बदलता शासन
follow us -@Bharatkbs

INDIAN PHYSIOTHERAPY & OSTEORHAB CENTRE
DR. RAJENDRA YADAV
BPT, MPT (NEURO)
Certified International Sports and Manual Therepy
Cont.: 8218970094
3/3, NEW CANTT ROAD, SALAWALA BRIDGE, HATHIBARKALA, DEHRADUN

लापता छात्र की खोज के लिए अपील

सेंट मेरी स्कूल के 10वीं कक्षा के छात्र लक्ष्य प्रताप सिंह लापता

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

गाजियाबाद: शास्त्रीनगर के सेंट मेरी स्कूल में कक्षा 10 के छात्र लक्ष्य प्रताप सिंह, पुत्र संदीप सिंह, आज सुबह से लापता हैं। लक्ष्य सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचा। परिवार के अनुसार, बीती रात लक्ष्य को पढ़ाई और मोबाइल के अत्यधिक उपयोग को लेकर माता-पिता ने डांट लगाई थी, जिसके बाद वह नाराज हो गया। सुबह उसने एक पत्र छोड़ा, जिसमें उसने स्कूल जाने की बात कही, लेकिन अपने स्कूल बैग में किताबों और कॉपियों की जगह कुछ जोड़ी कपड़े लेकर घर से चला गया। लक्ष्य का मोबाइल फोन रात को डांट के बाद माता-पिता ने अपने पास रख लिया था।

लक्ष्य के लापता होने की सूचना शास्त्रीनगर थाने में दर्ज करा दी गई है। परिवार और पुलिस सुबह से रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, रैपिड, और स्थानीय पार्कों में उसकी तलाश कर रहे हैं। साथ ही, विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। लक्ष्य की मां गहरे सदमे में हैं, वहीं पिता संदीप सिंह बहुत परेशान हैं और अपने बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

लक्ष्य के पिता संदीप सिंह ने जनता से अपील की है कि यदि किसी को लक्ष्य के बारे में कोई जानकारी मिले या वह कहीं दिखाई दे, तो कृपया तुरंत निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें: 9650698984, 9911681813, 7678132442 परिवार ने कहा, आपकी एक छोटी सी सूचना हमारे बच्चे को वापस अपने माता-पिता तक पहुंचा सकती है। कृपया हमारी मदद करें। पुलिस और स्थानीय लोग खोजी अभियान में जुटे हैं। यदि आपके पास लक्ष्य के बारे में कोई जानकारी है, तो कृपया तुरंत पुलिस या परिवार से संपर्क करें।

समाधान शक्ति की तिरंगा यात्रा 24 मई को

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

साहिबाबाद : समाधान शक्ति सामाजिक संस्था व भाजपा महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में एक भव्य 'चलो दिल्ली तिरंगा यात्रा' का आयोजन करने जा रही है। यह प्रेरणादायी तिरंगा यात्रा 24 मई, शनिवार को शाम 5 बजे शहीद स्थल, शालीमार गार्डन से शुरू होकर राष्ट्रीय राजधानी के गौरवशाली इंडिया गेट तक जाएगी। यात्रा के समापन पर इंडिया गेट पर दीए जलाकर देश के वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

चावला बेकरी, चंद्रशेखर पार्क, शालीमार गार्डन एक्सटेंशन वन, साहिबाबाद में आयोजित एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस आयोजन की घोषणा की गई। प्रेस वार्ता में संस्था के मीडिया प्रभारी प्रतीक माथुर ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रज्वलित करने, शहीदों के बलिदान को सम्मान देने और सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का संदेश प्रसारित करने का एक अनूठा प्रयास है।

समाचार व विज्ञापन प्रकाशित कराने एवं हमसे जुड़ने के लिए सम्पर्क करें - 8527848454

तीन दिनों में शेयर ट्रेडिंग के फर्जी एप से 10.13 लाख रुपये ठगे

गाजियाबाद। नोएडा स्थित एक कंपनी की सलाहकार के रूप में काम करने वाले शास्त्रीनगर निवासी नम्रता कौर से साइबर ठगों ने 10 लाख 13 हजार 80 रुपये की ठगी कर ली। साइबर ठगों ने मात्र तीन दिनों में इतनी बड़ी धनराशि अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करा ली। पीड़िता ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। एडीसीपी पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि कविनगर क्षेत्र के शास्त्रीनगर निवासी नम्रता कौर ने साइबर क्राइम थाने में ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। नम्रता कौर के मुताबिक उन्हें 17 मई को टेलीग्राम चैनल से जोड़ा गया जहां पहले उन्हें रेस्तरां समीक्षा जैसे छोटे कार्य करने को कहा गया। बाद में उन्हें फर्जी मंच पर डेटा कार्य और व्यापार के लिए प्रेरित किया गया। उनकी पहली बातचीत सुभाष पलानी से हुई, जिसने खुद को शिक्षक बताया। सुभाष ने छोटी राशियों से शुरूआत करवाकर बाद में 13,459 रुपये, 32,460 रुपये और 72,862 रुपये के व्यापार के लिए प्रेरित किया। नम्रता से तीन लाख रुपये और जमा करने की मांग की गई ताकि वे अपने निवेश निकाल सकें। ठगों ने नम्रता के खाते में विश्वास जीतने के लिए 17 मई 2025 को दो बार 1513 रुपये और 1800 रुपये ट्रांसफर किए। इसके बाद उन्हें शेयर ट्रेडिंग में अधिक कमाई होने का झांसा देकर अलग-अलग बैंक खातों में लाखों रुपये ट्रांसफर कराए गए। पीड़िता ने जब रुपये निकालने का प्रयास किया तो अतिरिक्त धनराशि की मांग की गई। जिसके बाद नम्रता कौर ने साइबर थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। एडीसीपी ने बताया कि बीएनएस के अतंर्गत धोखाधड़ी से संपत्ति ट्रांसफर करने की धारा 318(2) और कंप्यूटर संशाधनों से धनराशि ट्रांसफर की धारा 66डी में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रिश्तों को कलंकित करने वाली घटना

भाई ने की बहन के साथ दरिंदगी

भारत का बदलता शासन
follow @Bharatkbs

गाजियाबाद : मोदीनगर में भोजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। एक 13 वर्षीय किशोरी, जो कक्षा सात की छात्रा है, के साथ उसके मौसेरे भाई ने दुष्कर्म किया। घटना उस समय हुई, जब किशोरी अपने मौसा के घर खाना बनाने के लिए गई थी। मौसा ने किशोरी की मां को फोन कर उसे अपने घर बुलाया था, क्योंकि उनकी पत्नी (किशोरी की मौसी) की कुछ समय पहले मृत्यु हो गई थी।

कुछ दिन पहले मौसेरा भाई किशोरी को उसके गांव छोड़ने आया। देर रात होने के कारण वह वहीं रुक गया। रात में जब किशोरी अपने कमरे में सो रही थी, तभी आरोपी ने कमरे में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर उसने किशोरी के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और मारपीट की। हत्या की धमकी देकर उसने किशोरी को चुप रहने के लिए मजबूर किया।

घटना के बाद से किशोरी गुमसुम रहने लगी और उसकी तबीयत बिगड़ गई। पेट दर्द की शिकायत पर परिजन उसे

अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने दुष्कर्म की पुष्टि की। किशोरी ने परिजनों को पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिवार ने भोजपुर थाने में शिकायत दर्ज की।

एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और लोग रिश्तों में इस तरह की हैवानियत पर आक्रोश जता रहे हैं।

Om Multi Speciality Hospital
& Ayush Center
24 HOUR EMERGENCY
AMBULANCE FACILITY AVAILBLE
Consultation fees 200/- Only
OPD Service Availble
(from 10.00 am to 1.00 pm & 6.00 pm to 10.00 pm)
Dental OPD (Timing- 10.00 am to 3.00 pm)
24/7 Emergency Services
Khasra No. 262/2, Garhi Market, 5 no. bhatta Road,
Near RKGIT College, Ghaziabad (U.P.) Ph. 8595362792, 9990205544

PREM-DHARAM
HOSPITAL & DIAGNOSTICS
10 D - 180, Near Kishan Chowk, Sector - 10, Vasundhara, Ghaziabad, U.P. (201012) Ph.: 0120-4127778
24 HOUR EMERGENCY
AC AMBULANCE
CASHLESS FACILITY AVAILBLE

Free home delivery
since 1994
M: 9212152831
UPASNA PHARMACY ™
• • • • Your One Stop Meds Spet • • • •
(FORMERLY KNOWN AS GUPTA MEDICAL STORE)
ALLOPHATIC | HOMOEOPATHIC | AYURVEDIC | VETERINARY | NUTRITION | COSMETICS

Pure Vegetarian
SINCE:1999
Free Home Delivery
अपनी रसोई ®
FAMILY RESTAURENT
SPL. ARRANGEMENT FOR INDOOR, OUTDOOR PARTY
LUNCH DINNER THALI CHINES
We Prepare Our Food with 100 % Pure Panner, Desi Ghee, Amul Butter, Amul Cream, Ashirwaad Atta
HYGIENE QUALITY QUANTINTY
8929515157, 8929515156
Kh. No. 1056 Rajnagar extension, Ghaziabad, UP 201001 (Near Signature Home Society)

SBN PUBLIC SCHOOL
AFFILIATED TO C.B.S.E. (NEW DELHI)
Uttranchal Nagar, Nandgram/ Rawali Kalan Ghaziabad
"एस०बी०एन० पब्लिक स्कूल पुष्पराज एक आशा ट्रस्ट के तहत अल्प आय वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर
School Code 60195
Affiliation No. 2130435
Monthly Fees- Nur., LKG, UKG 500/-
1st. & 2nd. 600/-
3rd, 4th, 5th 700/-
6th, 7th, 8th 800/-
9th 1,000/-
11th 1,200/-
Er. Tarun Rawat (Director SBN Group)
कोई न छूटे अबकी बार, शिक्षा है सबका अधिकार
ADMISSION OPEN
(Session 2025-26)
Mob.: 9350183824 / 9871431939

राजनगर एक्सटेंशन का एक मात्र मल्टीस्पेशिलिटी आधुनिक हॉस्पिटल
रामानुज अस्पताल
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL
(50 बैड का मल्टीस्पेशलिटी आधुनिक अस्पताल)
(NABH PRE ENTRY ACCREDITED)
EMERGENCY 24 hr SERVICES
24 घंटे इमरजेंसी, एम्बुलेन्स और फार्मेसी की सुविधा
गरीब मरीजों के लिये फ्री इलाज की सुविधा (आयुष्मान भारत योजना के अर्न्तगत)
OPD / IPD / DAYCARE
ICU (Ventilator)
NICU
General/Private Ward
OT (Modular)
X-RAY (HINDRAYS/FUJIFILM)
ULTRASOUND (GE LOGIQ.V5 EXPERT)
ECG (GE)
C-ARM (ALLENGER)
ECHO/COLOUR DOPPLER
PATHOLOGY LAB
CAPF / CGHS / ALL TPA AVAILABLE
EMERGENCY CALL
9716833714
9716833715
9716833716
RAMANUUJ HOSPITAL
158, Rajnagar Extension
near Agarwal heights,
kdp gol chakkar,Ghaziabad (U.P.)